मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 81
मंगलवार, 30 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मां दुर्गा के आंगन में उमड़ा आस्था का महाकुंभ, रोशनी और रंगों से नहाई काशी

◆अब दशमी तक श्रद्धालुओं की रहेगी अनवरत भीड़, गलियां और सड़कें हुई जगमग

◆कल्पना और कला का अनूठा आयाम

सुरेश गांधी

वाराणसी। जब बनारस की गलियां ढाक की थाप, दीपों की रोशनी और भक्तों की जयकारों से गूंज उठती हैं, तो यही वह पल होता है जब शहर का हर कण आस्था में लीन हो जाता है। शारदीय नवरात्र के सप्तमी तिथि पर सोमवार को काशी ऐसी आभा में नहाई कि हर गली - कूचे में भक्ति की अनुगूंज सुनाई पड़ी। शारदीय नवरात्र की सप्तमी पर मां दुर्गा का पट खुलते ही शहर हो या देहात का हर कोना आस्था के महाकुंभ में तब्दील हो गया। ढाक के डंके, शंखनाद और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भक्तों की टोलियां घंटों कतार में लगी रहीं, और अपनी बारी आते ही मां के दर्शन किए। लेकिन उनके उत्साह की उजास में कोई कमी न थी।

आंकड़ों के मुताबिक, वाराणसी के विभिन्न पूजा पंडालों में लगभग 12 लाख श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए, और यह सिलसिला विजयादशमी तक इसी तरह बहता रहेगा। सप्तमी के दिन मां दुर्गा के साथ-साथ उनके सातवें स्वरूप माता कालरात्रि की विधिपूर्वक पूजा, वैदिक मंत्रोंच्चार, हवन और प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। बंगीय शैली के पंडालों में घट स्थापन, बोधन, आमंत्रण और अधिवास जैसे अनुष्ठान श्रद्धालुओं के हृदय में स्थायी छाप छोड़ गए। अन्य पंडालों में भी दोपहर बाद माता के पूजन, हवन और प्राण प्रतिष्ठा के साथ घट स्थापन, बोधन और आमंत्रण जैसे अनुष्ठान संपन्न हुए। जैसे ही पट खुले, मां के जयकारों से गलियां गूंज उठीं। देर शाम रंगीन रोशनी की झालरों ने सड़कों और पंडालों को इंद्रधनुषी आभा में बदल दिया। भक्त जन अपनी श्रद्धा के साथ मोबाइल कैमरों में इस अद्भुत दृश्य को कैद करने से खुद को रोक न सके।

काशी के पूजा पंडाल इस बार भी अपनी कलात्मक कल्पना से चकित कर रहे हैं। ईगल परिवार की ओर से स्थापित प्रतिमा में मां दुर्गा ओडिसी नृत्य की त्रिभंग मुद्रा में दिखाई देती हैं। दसों हाथों की शास्त्रीय मुद्राएं न केवल देवी के शस्त्रों का प्रतीक हैं, बल्कि उनकी ब्रह्मांडीय शक्ति को शांति और मातृत्व के साथ व्यक्त करती हैं।

देवी लक्ष्मी, सरस्वती, कार्तिकेय और गणेश भी इसी नृत्यशैली में प्रदर्शित हैं। असुर का रूप महिष की खोपड़ी में नृत्य करता हुआ दशार्या गया है, जो पौराणिक कथाओं को जीवंत कर देता है। खास यह है कि इस वर्ष पंडालों में कलात्मक और आधुनिक थीम ने भी ध्यान खींचा। सनातन धर्म इंटर कॉलेज में खाटू श्याम मंदिर के दरबार की भव्य प्रतिकृति तैयार की गई, जबकि अन्य पंडालों में मां दुर्गा के सात स्वरूपों का चित्रण और रोशनी का अद्भुत संगम श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहा था।

सप्तमी के इस उत्सव ने यह संदेश दिया कि बनारस केवल एक शहर नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और सामूहिक उत्सव का जीवंत प्रतीक है। ढाक की थाप, रंग-बिरंगी जगमगाहट और भक्तों का अटूट उत्साह इसे एक अद्वितीय अनुभव बनाते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि आस्था और भक्ति की शक्ति कितनी विशाल और अनंत होती है, और कैसे यह शहर और उसके लोग हर वर्ष इसे नए जोश और श्रद्धा के साथ जीवित रखते हैं। भारत सेवाश्रम संघ, बंगाली टोला और रामकृष्ण मिशन जैसे प्रमुख पंडालों में बंगाल की संस्कृति जीवंत हो उठी। ढाक की थाप और धुनुची नृत्य ने वातावरण को कोलकाता की दुर्गा पूजा जैसी गरिमा दी।

दशाश्वमेध और खालिसपुरा स्थित दुर्गा पूजा संस्थान शिवम क्लब के 50वें वर्ष पर पूरा इलाका भक्ति में सराबोर हो उठा। लहुराबीर स्थित हथुआ मार्केट, सनातन धर्म इंटर कॉलेज, जगतगंज विजेता स्पोर्टिंग क्लब, मछोदरी, सोनारपुरा, जंगमबाड़ी, शिवपुर मिनी स्टेडियम, पांडेयपुर और अर्दली बाजार, इन प्रमुख पंडालों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। काशी की कलात्मक दृष्टि हर पंडाल में अलग कहानी कहती है। पूजा पंडालों में इस बार भी विभिन्न प्रकार के प्रयोग किए गए हैं।

अनेक थीमों पर बने भव्य पंडालों में स्थापित मां की प्रतिमाएं लाइट-साउंड सिस्टम से भी सुसज्जित होकर महिषासुर का वध करती दिख रही हैं। सनातन धर्म इंटर कालेज में मां की विशालकाय प्रतिमा जयपुर के खाटू श्याम मंदिर में तो शिवपुर के मिनी स्टेडियम की प्रतिमा पुरी के जगन्नाथ मंदिर की अनुकृतियों में बने पंडाल में विराजी हैं। इसी तरहबाबा मच्छोदरानाथ दुर्गोत्सव समिति के पूजा पंडाल में भक्तिरस और भव्यता का संगम दिख रहा है तो यहां मां की प्रतिमा उड़ीसा की 'किचकेश्वरी काली मंदिर की बनी अनुकृति में विराजी हैं।

बंगाल में रेल की चपेट में आने से तीन की मौत

परगना, 29 सितम्बर। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में रेलवे पटरी पार करने के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला और उसके बच्चे समेत तीन की मौत गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना शनिवार की रात श्यामनगर स्टेशन के पास हुई जिसके बाद स्थानीय लोगों ने रेलवे पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एक घण्टे तक पटरियां जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अपने बच्चे के साथ पटरी पार कर रही थी तभी बच्चा उसके हाथ से फिसल कर नीचे उस पटरी पर गिर गया जिस पर गौर एक्सप्रेस आ रही थी। स्थिति को बिगड़ता देख प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक फल विक्रेता उन्हें बचाने के लिए दौड़ा, लेकिन तीनों रेल की

चपेट में आ गए।

स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की व्यवस्था कर घायलों को बचाने की कोशिश की लेकिन रेलवे फाटक के चौकीदार ने एम्बुलेंस को गुजरने के लिए फाटक नही खोला जिसके कारण तीनों लोगों को कुछ दूरी तक हाथों से पकड़कर ले जाना पड़ा और फिर उन्हें एम्बुलेंस में बिठाकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

स्थानीय लोगों ने रेलवे फाटक के बार-बार और लंबे समय तक बंद रखने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और एक घंटे तक पटरियों को जाम रखा, जिसके बाद पुलिस और जीआरपी ने उन्हें प्रदर्शन खत्म करने के लिए राजी किया।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि लंबे समय तक रेलवे फाटक बंद रखने के कारण लोगों को मजबूरन पटरियों से छोटा रास्ता लेना पड़ता है। रेलवे अधिकारियों से बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शीघ्र जांच का आश्वासन दिया है।

भाजपा सत्ता नहीं, सेवा के लिए सरकार मेंः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नवरात्र के इन पावन दिनों में आज दिल्ली भाजपा को अपना नया कार्यालय मिला है। ये नए सपनों और नए संकल्पों से भरा पल है। मैं दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकताओं को बहुत बहुत बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना को 45 वर्ष हो चुके हैं। अटल जी, आडवाणी जी, नाना जी देशमुख, राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी, मुरली मनोहर जोशी जी... ऐसे अनेक व्यक्तित्वों के

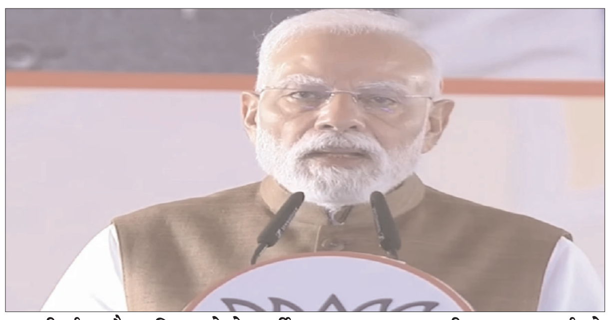

आशीर्वाद और परिश्रम से ये पार्टी आगे बढ़ी है।

नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि लेकिन जिस बीज से भाजपा आज इतना बड़ा वटवृक्ष बना है, उसका रोपण अक्टूबर 1951 में हुआ था। तब डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के नेतृत्व में जनसंघ की स्थापना हुई थी। और उसी दौर में दिल्ली जनसंघ को भी वैद्य गुरुदत्त जी के रूप में अपना पहला अध्यक्ष मिला। 1980 में जब भाजपा की स्थापना हुई तो वीके मल्होत्रा जी को दिल्ली भाजपा के पहले अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली। आज दिल्ली भाजपा जिस मजबूती में है, वो बीते दशकों में हमारे लाखों कार्यकताओं के त्याग और परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ साहनी जी, साहिब सिंह वर्मा जी, मदनलाल खुराना जी...ऐसे अनेक दिग्गज नेताओं ने हमें सेवा की अमिट राह दिखाई। अरुण जेटली जी और सुषमा स्वराज जी जैसे कितने ही व्यक्तित्वों ने पार्टी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

मोदी ने कहा कि दिल्ली और बीजेपी का संबंध सिर्फ एक शहर और पार्टी का नहीं है। ये संबंध सेवा, संस्कार और सुख-दुख की साथी होने का है। पहले जनसंघ के रूप में और फिर भाजपा के रूप में... हमारी पार्टी दिल्ली के दिल से, दिल्ली के हितों से जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों के अंतराल के बाद, अब दिल्ली में भाजपा की सरकार है। दिल्ली की जनता ने अपने बेहतर भविष्य के सपने और उम्मीदें भाजपा में लगाई हैं। इसलिए, नए प्रदेश कार्यालय में बैठे हर जनप्रतिनिधि की बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है। दिल्ली भाजपा, हमारी सरकार, दिल्ली की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए जी-जान से जुटी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए नए घर बनाना, दिल्ली के सैकड़ों सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को बेहतर बनाना, दिल्ली में सैकड़ों इलेक्ट्रिक बसें चलाना, यमुना नदी की सफाई के लिए दिन-रात काम करना, यमुना नदी के किनारे और शहर के अन्य हिस्सों में आलीशान रहने की जगहें बनाना... जब दिल्ली भाजपा सरकार और दिल्ली भाजपा कार्यालय इसी तरह कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे, तो हम एक विकसित भारत और एक विकसित दिल्ली के सपने को और तेजी से पूरा कर पाएँगे।

राहुल गांधी के खिलाफ बयान देने के लिए भाजपा नेता पर मामला दर्ज

नई दिल्ली, 29 सितम्बर। पुलिस ने भाजपा नेता प्रिंटू महादेवन के खिलाफ टेलीविजन बहस के दौरान उनके उस कथित बयान के लिये सोमवार को मामला दर्ज किया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर गोलियां चलाई जाएंगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के सचिव श्रीकुमार सी.सी. की शिकायत के आधार पर पेरामंगलम पुलिस ने यह मामला दर्ज किया। एबीवीपी के पूर्व नेता महादेवन ने 26 सितंबर को एक मलयालम समाचार चैनल पर एक बहस के दौरान बांग्लादेश और नेपाल में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा करते हुए यह टिप्पणी की थी।

उन्होंने कथित तौर पर कहा

कि भारत में इस तरह के विरोध प्रदर्शन संभव नहीं हैं, क्योंकि यहां के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर राहुल गांधी की ऐसी कोई इच्छा है, तो गोली उनके सीने में दाग दी जाएगी।

प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धाराओं का हवाला दिया गया है, जिनमें धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना), धारा 353 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना), और धारा 351(2) (आपराधिक धमकी) शामिल हैं। इस टिप्पणी के बाद, कांग्रेस कार्यकताओं ने सोमवार को पूरे केरल में महादेवन और भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर कहा कि यह धमकी केवल किसी छोटे पदाधिकारी का लापरवाही भरा बयान मात्र नहीं है।

उन्होंने चेतावनी दी कि त्वरित, निर्णायक और सार्वजनिक रूप से कार्रवाई न करने को मिलीभगत माना जाएगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यदेश राज्य पुलिस के माध्यम से तत्काल और अनुकरणीय कानूनी कार्रवाई की मांग करता है, ताकि न्याय शीघ्र, स्पष्ट और कठोर हो।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

मोटरसाइकल के रोड डिवाइडर से टकराने से बिहार के दो व्यक्तियों की मौत, एक घायल

गोड्डा। झारखंड के गोड्डा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 133 पर मोटरसाइकल के रोड डिवाइडर से टकराने के कारण बिहार के दो व्यक्तियों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना रविवार शाम को पथरगामा पुलिस थाना के अंर्तगत गोरसांदा के पास हुई जब मोटरसाइकल डिवाइडर से टकरा गयी। पथरगामा पुलिस थाने के थाना प्रभारी मनोहर ने कहा, मोटरसाइकल पर तीन लोग सवार थे। हादसे के बाद तीनों को सरदार अस्पताल ले जाया गया जहां उन में से दो की मौत हो गई।

भीड़ हादसों और त्रासदियों का सिलसिला कब थमेगा?

-ललित गर्ग

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) प्रमुख और सुपर अभिनेता से नेता बने विजय की चुनावी रैली के दौरान मची भगदड़ दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ स्तब्ध करने एवं पीड़ा देने वाली भी है। विजय की रैली में एक बार फिर भीड़ की बेकाबू उन्मत्तता ने 40 मासूम जिंदगियों को निगल लिया। सवाल उठता है कि आखिर कब तक ऐसी त्रासदियां हमारे समाज और शासन की नाकामी को उजागर करती रहेंगी? क्यों हमारी व्यवस्थाएं भीड़ को नियंत्रित करने में बार-बार विफल होती हैं और क्यों राजनीतिक दल, धार्मिक आयोजक, सिनेमा स्टार या अन्य तथाकथित सेलिब्रिटी भीड़ के जमावड़े को सफलता का पैमाना मानकर उसे उकसाते हैं? भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य एवं टीवीके प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और अभिनेता से नेता बने विजय को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़ और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक एवं दर्दनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन, सत्ता एवं राजनीतिक दलों का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

अभिनेता विजय की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें दुखद एवं शर्मनाक है। इस राज्य में दशकों से विशाल राजनीतिक सभाओं की संस्कृति रही है, जिसे फिल्म और राजनीति के मेल ने पोषित किया है। सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन और जयललिता, सभी मुख्यमंत्री बनने से पहले फिल्मी सितारे थे। उनकी रैलियों में अक्सर लाखों लोग आते थे। स्टार पावर और राजनीति का मेल अधिकारियों के लिए भीड़ को नियंत्रित रखना मुश्किल बना देता है। तमिलनाडु में अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी टीवीके अभी

प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इसकी रैलियों में प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि सिने स्टार को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। करीब तीन महीने पहले जून में बंगलूरू में आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान मची भगदड़ में भी करीब एक दर्जन लोग मारे गए थे। हालांकि, शनिवार रात करूर में उमड़ी भीड़ किसी राजनीति जमावड़े से अधिक अपने सुपरस्टार को करीब से देखने के लिए बेताब प्रशंसकों की थी। इसी उन्माद में, जब एक पेड़ की डाली पर चढ़े कुछ समर्थक अभिनेता की प्रचार गाड़ी के पीछे खड़े लोगों पर गिर पड़े, तो दहशत फैल गई और रैली एक हादसे में बदल गई। इसी में करीब 40 लोगों के मरने और कइयों के घायल होने की खबरें हैं। तमिलनाडु में, 2026 में चुनाव होने हैं और टीवीके बेशक मैदान में उतरने की घोषणा कर चुकी हो, लेकिन दुर्घटना के बाद विजय जिस तरह से जल्दबाजी में चार्टर्ड फ्लाइट से चेन्नई चले गए, उससे यही साबित होता है कि अभी उन्हें राजनीति के कई सबक एवं राजनीतिक मूल्यों को सीखने हैं। क्योंकि आखिर वह अपनी जिम्मेदारी से कैसे बच सकते हैं? टीवीके ने तीस हजार लोगों की अनुमति ली थी और इसी हिसाब से पुलिस की तैनाती भी हुई थी। लेकिन शाम होते-होते इसके दोगुने लोग अभिनेता की एक झलक पाने को मौजूद थे।

निश्चित ही भीड़ कोई संगठित चेतन शक्ति नहीं होती, यह एक उन्मादी प्रवाह है जिसमें व्यक्ति की सोच, विवेक और संवेदना विलीन हो जाती है। भीड़ के सामने व्यक्ति का आत्मनियंत्रण टूट जाता है और वह हिंसक, अनुशासनहीन और खतरनाक रूप ले लेती है। यही कारण है कि क्रिकेट मैच से लेकर राजनीतिक रैली, धार्मिक आयोजन और फिल्मी सितारों की झलक तक, हर जगह भीड़ का जुनून कई बार मौत का तांडव बन जाता है। इतिहास गवाह है कि भीड़ की हिंसा ने न केवल जानें ली हैं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी चोट पहुंचाई है। 1984 के सिख विरोधी दंगे, 1992 का बाबरी मस्जिद प्रकरण, गुजरात हिंसा, धार्मिक जुलूसों में भगदड़ या तीर्थयात्राओं में दबकर मरने वाले सैकड़ों लोग-इन सबकी जड़ में भीड़ है। भीड़ के भीतर छिपा हुआ सामूहिक उन्माद किसी भी क्षण हिंसा, लूट और तबाही में बदल जाता है। भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे एवं हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

विजय और उनके समर्थक कुछ भी कहें, वे अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। इसलिए और नहीं बच सकते, क्योंकि उन्होंने अपनी रैली में आने वाले लोगों की संख्या के बारे में भी कोई सही जानकारी नहीं दी थी। बहुत संभव है कि इसके चलते पुलिस ने भी पर्याप्त व्यवस्था न की हो। तमिलनाडु में सेलेब्रिटी स्टेटस वाले लोगों के प्रति दीवानगी कुछ ज्यादा ही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हर त्रासदी के बाद सरकारें और पुलिस प्रशासन सिर्फ ह्यजांच समितिह्न और ह्यमुआवजाह्न देने की घोषणा करके अपने कर्तव्य से मुक्त हो जाते हैं। न तो कोई ठोस नीतियां बनती हैं, न ही आयोजकों पर कठोर जिम्मेदारी तय की जाती है। आयोजकों की लापरवाही और प्रशासन की ढिलाई इन घटनाओं की सबसे बड़ी वजह हैं। यदि समय रहते सुरक्षा प्रबंधन और भीड़ नियंत्रण की सख्त व्यवस्था हो, तो ऐसी भयावह स्थितियों को टाला जा सकता है। भीड़ की त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक मनोविज्ञान का भी प्रतिबिंब है। आमजन की ह्यहीरो-दीवानगीह्न और अंधभक्ति किसी भी भीड़ को अनियंत्रित बना देती है। जब तक नागरिक चेतना में संयम और विवेक नहीं आएगा, तब तक भीड़ केवल संख्या का खेल बनी रहेगी और उसका परिणाम विनाशकारी होता रहेगा। अब वक्त आ गया है कि सरकारें भीड़ प्रबंधन को ह्यराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंडाह्न में शामिल करें। राजनीतिक दलों, धार्मिक आयोजकों और सिनेमा जगत को भीड़ जुटाने की प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करना होगा। यह ठीक है कि करूर की घटना पर सभी ने शोक संवेदना व्यक्त की, लेकिन यदि इस घटना से कोई ठोस सबक नहीं सीखा जाता तो इन संवेदनाओं का कोई मूल्य नहीं, बल्कि ये खोखली दिखावा मात्र हैं। इसलिए यह जरूरी है कि भीड़ की हिंसा और त्रासदी को केवल ह्यसंयोगह्न न माना जाए, बल्कि उसे रोकने के लिए गंभीर कदम उठाए जाएं। अन्यथा यह सिलसिला न केवल जारी रहेगा, बल्कि हर बार अधिक भयावह होता जाएगा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

तमिलनाडु के करूर की रैली में हुई भगदड़ पर आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू

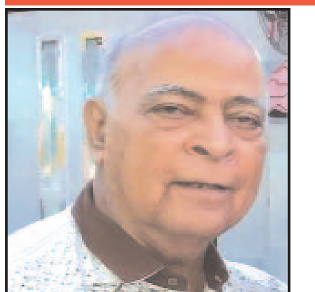

अशोक भाटिया

तमिलनाडु के करूर में शनिवार को एक्टर के राजनेता बने विजय की रैली में भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में मृतकों की संख्या 40 पहुंच गई है। वहीं, 60 से अधिक लोग इस हादसे में घायल हुए हैं। विजय की ये रैली लोगों के लिए घातक साबित हुई है। इस घटना के बाद आरोप प्रत्यारोपका दौर शुरू हो गया है।

ज्ञात हो कि तमिलनाडु में अभिनेताओं को भगवान माना जाता है और क्रिकेट में लोकप्रिय अभिनेताओं का वही स्थान है जो सचिन तेंदुलकर के रूप में जाना जाता है, जिन्हें डेमी गॉड्स के नाम से जाना जाता है, जिनके मंदिर दक्षिण में बनाए गए हैं। पागलपन इतना चरम है कि करूर में कल करूर में अभिनेता विजय थलपति की रैली में जो भगदड़ मची वह दुखद है लेकिन आश्चर्य की बात नहीं है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को राहत देने का ऐलान किया है और घटना की जांच कराई जाएगी, लेकिन तमिलनाडु के लोगों का पागलपन कम नहीं होता है। अतीत में कई अभिनेताओं और अभिनेत्रियों ने लोगों को पागल कर दिया है और कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है। जयललिता और कमल हासन जैसे कई नेता हैं, जो अब एक राजनीतिक दल को छोड़कर राजनीति में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्होंने पहले अभिनय करके और फिर राजनीति में जाकर राज्य पर शासन किया है, उनके पीछे हजारों लोग हैं और वे इसके लिए मरने को तैयार हैं, जब कोई नेता मरता है तो उसके पीछे आत्महत्या के कई उदाहरण होते हैं, यह चरम पागलपन लोगों को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करता है। विजय थलपति दक्षिण में सबसे अधिक भुगतान पाने वाले स्टार हैं। रजनीकांत और धनुष सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेताओं में से हैं। ये स्टार्स जितने ज्यादा पॉपुलर होते जाते हैं, उनकी फैन फॉलोइंग उतनी ही बढ़ती है और फिर ये लोग इन्हें देखने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। विजय की रैली में यही हुआ। करूर जिले की जीत होने वाली थी। लेकिन उन्हें देर हो चुकी थी। देरी के कारण लोग पहले से ही परेशान थे और पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। नतीजतन, लोग विजय को देखने के लिए उमड़ पड़े और वहां मची भगदड़ में 39 लोगों की मौत हो गई।

यह घटना इस बात की एक गंभीर तस्वीर है कि कैसे फिल्मी सितारों के साथ तमिल लोगों का जुनून और क्षेत्र की राजनीति मिश्रित है। विजय की पार्टी अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन प्रशंसकों की भीड़ ने विजय को एक ब्लॉकबस्टर फिल्म की रहस्यमय और अकल्पनीय भावनात्मक आभा दी है। तथ्य यह है कि फिल्म फिल्म के प्रति जुनूनी थी, यह अन्य समारोहों में भीड़ और तथ्य यह है कि दक्षिण फिल्म उद्योग में अभिनेताओं का क्रेज अपने चरम पर पहुंच गया है और पिछली कई घटनाओं से यह भी पता चलता है कि खुशबू नाम की एक और दक्षिण अभिनेत्री है जिसका मंदिर दक्षिण में बनाया गया है। फुटेज से पता चलता है कि विजय के प्रशंसक बहुत देर होने के बावजूद स्थिर रहे और फिर वे विजय को देखने के लिए उमड़ पड़े, जिसमें उनचास लोग मारे गए थे। हो चुका। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। विजय के फैंस जिस शिद्दत से उन्हें देखने आए थे, वह साउथ में ही देखने को मिलता है। तमिलनाडु में विजय का सीधा मुकाबला द्रमुक से है। नतीजतन, भीड़ में बड़ी संख्या में विजय के प्रशंसक जुटे और संभावना है कि डीएमके प्रेमी भी थे। तो इस लाइव मैच में कौन अधिक लोकप्रिय था? विजय के पास फैन फॉलोइंग के साथ-साथ पार्टी की विचारधारा भी है, लेकिन यह सच है कि प्रशासन ने रैली को संभालने में अक्षम्य रूप से ढिलाई बरती है। क्योंकि विजय की रैली के लिए भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने पर्याप्त प्रयास नहीं किए। विजय ने प्रशासन को सूचित किया था कि केवल 10,000 प्रशंसक ही आएंगे। लेकिन वास्तव में, चार गुना अधिक लोग मौजूद थे।

विजय के फैंस को जिन मुश्किलों का सामना करना पड़ा, उनसे लोगों का नाराज होना स्वाभाविक है, लेकिन डिजिटल युग में विजय के फैंस का बड़ी संख्या में जमावड़ा और उन्हें सुनने वाले लोग और भीड़ और भगदड़ में अपनी जान गंवाना अभूतपूर्व है। यह स्पष्ट है कि पुलिस और अदालतों की लाचारी के कारण विजय ने अपनी अपेक्षा से अधिक लोगों को इकट्ठा किया। यह सच है कि तमिलनाडु प्रशासन इतनी बड़ी आबादी का प्रबंधन करने में विफल रहा है, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इस पर विचार किया जाएगा, क्योंकि यह पहली घटना नहीं है और आखिरी नहीं है। यही सवाल तब उठे जब बेंगलुरु में आरसीबी के प्रशंसकों की इतनी ही भीड़ में 11 प्रशंसकों की मौत हो गई। अब समय आ गया है कि सभी सतर्क रहें और उपाय करें।

भारत में बार-बार होने वाली भगदड़ की घटनाएं हमारे प्रशासन, व्यवस्थाओं और राजनीतिक सिस्टम की गंभीर खामियों को उजागर करती हैं. चाहे धार्मिक स्थल हों, राजनीतिक रैलियाँ हों या फिर किसी प्रसिद्ध आयोजन स्थल हर बार सैकड़ों-हजारों की भीड़ उमड़ती है और सुरक्षा इंतजामों की कमी या लापरवाही जीवन का मोल चुका लेती है.

अब बिजली कटौती को लेकर भी एक नया विवाद खड़ा हो गया है. पीड़ितों और विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम का आरोप है कि शनिवार शाम 7 से 7:30 बजे के बीच विजय के आने पर करीब आधे घंटे तक बिजली गुल रही, जिससे अफरातफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति बनी. राज्य सरकार ने इन दावों को खारिज कर दिया है. तमिलनाडु की फैक्ट-चेक टीम ने करूर कलेक्टर और एडीजीपी के हवाले से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कार्यक्रम में बिजली कटौती नहीं हुई. हालांकि ळश्ड ने बिजली सप्लाई रोकने का अनुरोध किया था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया. थोड़ी देर के लिए जो लाइट मंद हुई, वह पार्टी की ओर से लगाए गए जेनरेटर की समस्या थी.'

सरकार का कहना है कि भीड़ को खतरनाक जगहों से हटाने के लिए थोड़े समय के लिए बिजली रोकी गई थी, लेकिन विजय के आने के बाद कोई कटौती नहीं हुई. हादसे के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज हो गए हैं. ळश्ड ने सीबीआई जांच की मांग की है और इसे साजिश बताया है.वहीं बीजेपी ने डीएमके सरकार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है. इस घटना ने अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में कई दर्जन लोगों की दर्दनाक मौत ने एक बार फिर वही सवाल खड़े कर दिए हैं- भारत में बार-बार होने वाली भगदड़ (रइेंस्त्रीीि) की घटनाएं हमारे प्रशासन, व्यवस्थाओं और राजनीतिक सिस्टम की गंभीर खामियों को उजागर करती हैं. चाहे धार्मिक स्थल हों, राजनीतिक रैलियाँ हों या फिर किसी प्रसिद्ध आयोजन स्थल हर बार सैकड़ों-हजारों की भीड़ उमड़ती है और सुरक्षा इंतजामों की कमी या लापरवाही जीवन का मोल चुका लेती है.

नई घटना में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में कई दर्जन लोगों की दर्दनाक मौत ने एक बार फिर वही सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर जिम्मेदार कौन है?बार-बार एक जैसी घटनाओं के बावजूद सबक क्यों नहीं लिया जाता?भीड़ प्रबंधन पर सुधार क्यों नहीं दिखते?क्यों बड़े पदों पर बैठे लोग जांच में बच निकलते हैं और असली दोष केवल नीचे के कर्मचारियों या अज्ञात कारणों पर डालकर केस खत्म कर दिया जाता है?

इस बीच विजय के करीबी सहयोगियों पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पार्टी ने मद्रास हाई कोर्ट में स्वतंत्र जांच की याचिका दायर की है. तमिलनाडु सरकार ने घटना की जांच के लिए न्यायिक आयोग गठित किया है, जिसने पीड़ित परिवारों से बातचीत शुरू कर दी है और अस्पताल का दौरा भी किया है.

बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता का ऐलान किया और राज्य सरकार ने मृतकों के लिए 10 लाख और घायलों के लिए 1 लाख रुपये का मुआवजा घोषित किया. वहीं ळश्ड ने 20 लाख और 2 लाख की सहायता की घोषणा की. कांग्रेस ने 1 करोड़ और बीजेपी ने 1 लाख रुपये प्रति परिवार का वादा किया.

अंतरमन के युद्ध में जीत ही असली दशहरा

-सुरेश गांधी

आश्विन मास की शुक्ल पक्ष दशमी, जिसे विजयादशमी कहा जाता है, भारतीय सांस्कृतिक चेतना का ऐसा पर्व है, जो हर बार हमें आत्मशुद्धि, नैतिक बल और सामूहिक शक्ति के नये आयाम से परिचित कराता है। नवरात्र के नौ दिन शक्ति-साधना और देवी आराधना के बाद यह दसवां दिन केवल राम-रावण युद्ध की विजयगाथा भर नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर छिपी बुराइयों, द्वेष, क्रोध, लालच और अहंकार को अग्नि में समर्पित कर, नयी ऊर्जा से जीने का संदेश देता है। इसकी महत्ता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दशहरा आते ही पूरे देश में ह्यबुराई पर अच्छाई की जीत का उद्घोष गूंजने लगता है। नगरों से लेकर गांवों तक रावण दहन की तैयारी होती है। लेकिन हर साल रावण के पुतले जलाने के बावजूद समाज के भीतर की असली बुराइयां, दहेज के दानव, बलात्कार, हिंसा, भ्रष्टाचार, महंगाई, अपराध, क्यों और कैसे जीवित रह जाती हैं? यह प्रश्न हर विजयादशमी पर हमारे सामने खड़ा हो जाता है। लोग भूल जाते हैं कि रावण महापंडित और महाज्ञानी था, लेकिन अपने बल और ज्ञान के अहंकार में उसने खुद को भगवान मान लिया। यही उसका पतन बना। आज के दौर में भी हमारे आसपास ऐसे कई ह्यरावणह्न हैं, जो अहंकार और स्वार्थ में डूबे हैं, दहेज के लोभी, महिलाओं के प्रति हिंसा करने वाले, सत्ता और धन के मद में चूर अपराधी। आंकड़े बताते हैं कि नारी उत्पीड़न से लेकर लूटपाट और हत्याओं तक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि जब तक इन सामाजिक रावणों को हम नहीं जलाएंगे, तब तक रावण दहन का असली संदेश अधूरा ही रहेगा।

नवरात्रि के नौ दिनों में हम देवी के विभिन्न रूपों की पूजा करते हैं, दुर्गा, काली, शैलपुत्री, कुष्मांडा, जो आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रतीक हैं। विजयादशमी इन आराधनाओं का अंतिम क्षण है, जब हम यह संकल्प लेते हैं कि भीतर और बाहर की बुराइयों पर विजय प्राप्त करेंगे। प्राचीन परंपरा रही है कि इसी दिन राजा शस्त्र पूजन कर रणयात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। यह दिन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक शक्तियों, मनोबल, धर्मबल, संयम और साहस का लेखा-जोखा करने का अवसर भी है। रावण रथ पर सवार था, असंख्य अस्त्र-शस्त्रों से लैस था, जबकि राम निःशस्त्र थे। परंतु सत्य और धर्म उनके साथ थे। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा ह्लरावण रथी विरथ रघुबीराह्न राम का आत्मबल और धर्म के प्रति निष्ठा ही उनकी विजय का आधार बनी। यही दशहरा का सार है कि बाहरी सामर्थ्य से अधिक महत्त्वपूर्ण है आंतरिक निष्ठा और आत्मबल। आज के समाज को भी यही सीख चाहिए कि बाहरी हथियारों से नहीं, बल्कि सत्य, साहस और सामूहिक संकल्प से ही बुराई पर काबू पाया जा सकता है। दशहरा केवल धार्मिक आस्था का उत्सव नहीं है। यह हमें याद दिलाता है कि शक्ति ही सृष्टि का मूल तत्व है, ह्यशक्ति सृजति ब्रह्मांडम्ह्न। दुर्गा की अष्टभुजा आठ शक्तियों का प्रतीक है, शरीर-बल, विद्या-बल, चातुर्य-बल, धन-बल, शस्त्र-बल, शौर्य-बल, मनोबल और धर्म-बल। इन शक्तियों को अर्जित किए बिना न तो

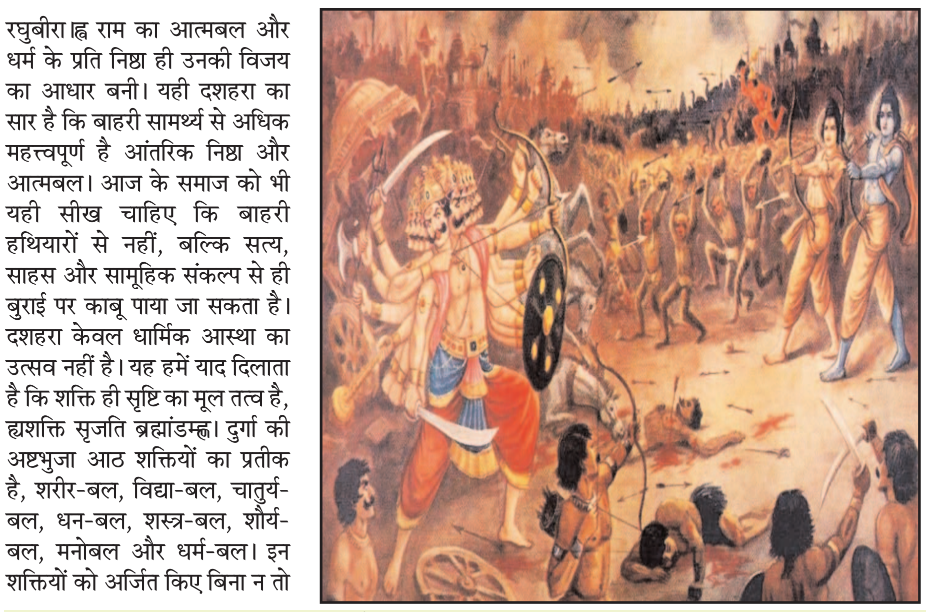

शरद ऋतु की सुनहरी धूप और कनकाभा आकाश के बीच जब विजयादशमी का पर्व आता है, रावण के पुतले की अग्नि केवल एक कथा का अंत नहीं करती, बल्कि हर दिल को यह याद दिलाती है कि सबसे कठिन रणक्षेत्र बाहर नहीं, भीतर है। अहंकार, ईर्ष्या, क्रोध और मोह से जूझते हमारे अंतर्मन में ही असली युद्ध चलता है। राम-रावण की कहानी हमें सिखाती है कि बाहरी रावण को जलाना प्रतीक मात्र है, सच्ची विजय तब है, जब हम अपने मन के अंधकार को परास्त कर मयार्दा, करुणा और सत्य की रोशनी को स्थायी बना सकें। मतलब साफ है रावण दहन का मेला देखने वाले कई लोग वही हैं जो सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा देते हैं। स्वच्छता पर भाषण देने वाला खुद घर का कूड़ा पड़ोसी के आंगन में डाल देता है। महंगाई पर रोने वाला मिलावट करता है। जब तक हम अपने भीतर के दोषों को पहचानकर उन्हें मिटाने का साहस नहीं जुटाते, तब तक किसी महानायक की प्रतीक्षा करना व्यर्थ है. दशहरा हमें यही संदेश देता है कि असत्य चाहे कितना भी शक्तिशाली हो, अंततः जीत सत्य और सद्गुण की होती है। इस विजयादशमी पर हमें केवल पुतले नहीं, बल्कि अपने भीतर और समाज में फैले वास्तविक ह्यरावणोंह्न को भी जलाने का संकल्प लेना होगा, तभी यह पर्व अपनी सार्थकता को पूर्ण कर सकेगा

व्यक्ति और न ही समाज असुर प्रवृत्तियों का अंत कर सकता है। रावण का प्रतीकात्मक दहन हमें बताता है कि समाज में पनपती हिंसक प्रवृत्तियां, चाहे वह उग्रवाद हो या माओवादी सोच, रावण की ही आधुनिक छाया हैं।

यह पर्व हमें निडर होकर इनसे सामना करने का साहस देता है। साथ ही यह साम्प्रदायिक सौहार्द की जीवंत मिसाल भी है। देशभर में रामलीला मंचन में मुस्लिम कलाकारों की भागीदारी, पूजा सामग्री बनाने से लेकर पुतला तैयार करने तक में मुस्लिम परिवारों का योगदान भारत की साझी संस्कृति को और मजबूत करता है। भारत की विविधता इस पर्व को और भी विराट बनाती है, बंगाल, उड़ीसा, असम में दुर्गा पूजा की भव्यता और सिंदूर खेला का उल्लास। महाराष्ट्र में सरस्वती वंदना और स्वर्णपत्र विनिमय की परंपरा। कुल्लू (हिमाचल) में देवताओं की पालकी और नृत्य-गान का अद्भुत संगम। बस्तर में मां दंतेश्वरी की आराधना, जो पंद्रहवीं शताब्दी से चली आ रही है। मैसूर की रोशनी से सजी सड़कों और हाथी सज्जित जुलूस की भव्यता। गुजरात का गरबा और डांडिया, जहां भक्ति और लोकसंगीत पूरी रात गूंजते हैं। दक्षिण भारत में लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा की क्रमिक पूजा का गूढ़ आध्यात्मिक संदेश। विजयादशमी केवल पौराणिक प्रसंगों की पुनरावृत्ति नहीं, बल्कि अपने समय को समझने और समाज को जोड़ने का संकल्प है। जब हम रावण के पुतले को जलाते हैं, तो हमें यह भी याद रखना चाहिए कि असली जीत दूसरों पर नहीं, बल्कि अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों पर होती है। यही इस पर्व का चिरस्थायी संदेश है, आत्मशुद्धि, सामाजिक समरसता और अडिग मयार्दा की विजय। मतलब साफ है विजयादशमी केवल एक पौराणिक उत्सव नहीं, बल्कि धर्म, शक्ति और आत्मबल की साधना का जीवंत प्रतीक है। यह दिन याद दिलाता है कि असत्य चाहे कितना ही प्रबल क्यों न हो, अंततः जीत सत्य की ही होती है। श्रीराम का रावण पर विजय प्राप्त करना, देवी दुर्गा का महिषासुर का वध करना, समाज को यही शिक्षा देता है कि आंतरिक और बाहरी आसुरी प्रवृत्तियों का अंत तभी संभव है जब हम अपने भीतर की शक्ति को जागृत करें।

राम की मयार्दा और वैश्विक आकर्षण

मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम भारतीय संस्कृति के शाश्वत नायक हैं। उनके आदर्शों की गूंज केवल अयोध्या या काशी तक सीमित नहीं, बल्कि इंडोनेशिया के रामायण काकावीन, थाईलैंड के रामकियेन और कंबोडिया से लेकर श्रीलंका, चीन तक सुनाई देती है। हजारों वर्षों बाद भी यह पर्व अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध अडिग रहने की प्रेरणा देता है। सीता-लक्ष्मण संवाद, जिसमें ह्लभाई सा जग में मित्र नहीं, भाई सा शत्रु नहींह्न जैसे वाक्य आज भी लोकजीवन में ताने की तरह गूंजते हैं, हमें यह सोचने को विवश करते हैं कि पारिवारिक रिश्तों की कसौटी समय के हर युग में कठिन रही है। विजयादशमी हमें उन रिश्तों की मयार्दा और विश्वास को फिर से परखने का अवसर देती है।

समरसता का संदेश

रामनामी चुनरी से लेकर दशहरा पंडालों की सजावट तक, हिन्दू-मुस्लिम साझी परंपरा यह सिद्ध करती है कि त्योहार केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि समाज-विरोधी ताकतें यहां कभी पूरी तरह सफल नहीं हो पातीं।

विश्वामित्र संहिता का अद्भुत रहस्य

विश्वामित्र संहिता में वर्णित है कि लंका युद्ध के दौरान जब श्रीराम ने देखा कि उनकी वानर सेना लगातार क्षीण हो रही है, तो वे युद्ध भूमि में ही आसन लगाकर गुरु विश्वामित्र का ध्यान करने लगे। गुरु के मानस रूप के प्रकट होने पर राम ने अपनी व्याकुलता प्रकट की, सभी विद्याओं के बावजूद रावण का अंत असंभव क्यों हो रहा है? तब विश्वामित्र ने उन्हें बताया कि केवल अस्त्र-शस्त्रों से नहीं, बल्कि शक्ति साधना से ही रावण को हराया जा सकता है। उन्होंने राम को ह्यविजयश्री साधनाह्न की दीक्षा दी और मां दुर्गा की आराधना कराई। यही साधना विजय का मंत्र बनी।

शक्ति का सनातन संदेश

नवरात्र और दशहरा दो ऐसे पर्व हैं जो ह्यशक्ति सृजति ह्मांडम के वैदिक सत्य को पुनः स्थापित करते हैं। अदिति, जो शक्ति का प्राचीन नाम है, वही सृष्टि की मूल आधार है। सृजन और संहार, दोनों ही शक्ति के रूप हैं। उत्तरायण-दक्षिणायण, चैत्र-आश्विन नवरात्र, ये सभी ब्रह्मांडीय चक्र हमें यही सिखाते हैं कि प्रकाश और अप्रकाश, जीवन और मृत्यु, दोनों के संतुलन से ही जगत चलता है। राम और रावण केवल इतिहास या पुराण के चरित्र नहीं, बल्कि हमारे भीतर के मंगल-अमंगल, न्याय-अन्याय, संयम-असंयम के प्रतीक हैं।

शक्ति की उपासना और संगठन का आह्वान

दशहरा शक्ति अर्जन और संगठन का पर्व है। दुर्गा की अष्टभुजा आठ शक्तियों का प्रतीक है, शरीर-बल, विद्या-बल, चातुर्य-बल, धन-बल, शस्त्र-बल, शौर्य-बल, मनोबल और धर्म-बल। समाज तभी दुराचार और षड्यंत्रकारियों का मुकाबला कर सकता है जब वह इन शक्तियों से संपन्न हो। व्यक्ति के भीतर और समाज में छिपी आसुरी प्रवृत्तियों को समाप्त करने के लिए शक्ति साधना आवश्यक है।

शमी की पत्तियांः सौभाग्य का प्रतीक

विजयादशमी पर शमी वृक्ष की पूजा और उसकी पत्तियों का आदान-प्रदान सोने के समान सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। महाभारत काल में पांडवों ने अपने शस्त्र इसी वृक्ष में छुपाए थे और विजय प्राप्त की थी। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम ने भी लंका पर आक्रमण से पूर्व शमी की पूजा की थी। आज भी यह परंपरा सुख-समृद्धि और विजय का संदेश देती है।

श्रीराम का चंडी पूजन

दशहरा की कथा यह भी बताती है कि लंका विजय से पूर्व ब्रह्माजी के परामर्श पर श्रीराम ने समुद्र तट पर मां चंडी का पूजन किया। 108 नीलकमल की दुर्लभ व्यवस्था में जब एक कमल रावण की मायावी शक्ति से अदृश्य हो गया, तब प्रभु ने अपना नेत्र अर्पित करने का संकल्प लिया। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर देवी ने प्रकट होकर विजयश्री का आशीर्वाद दिया।

विजयादशमी का मूल संदेश

दशहरा केवल रावण दहन नहीं, बल्कि आत्मविजय का उत्सव है, आलस्य, अहंकार और आसुरी वृत्तियों पर विजय। यह दिन प्रेरित करता है कि हम अपनी शक्तियों को पहचानें, उन्हें विकसित करें और धर्म के मार्ग पर अडिग रहें। यही कारण है कि शिवाजी जैसे वीरों ने भी विजयादशमी को युद्धारंभ का शुभ मुहूर्त माना। धर्म की विजय और शक्ति की उपासना का यह पर्व हमें सिखाता है कि आत्मबल, संयम और संगठन से ही समाज की रक्षा होती है। जब तक हम अपने भीतर की बुराइयों को नहीं हराएंगे, बाहरी रावणों का अंत संभव नहीं। विजयादशमी हमें उसी सत्य की याद दिलाती है, सत्य की जीत निश्चित है, असत्य चाहे कितना भी प्रबल क्यों न हो।

रावण का जटिल व्यक्तित्व

त्रेता से लेकर कलियुग तक राम - रावण लीला की परंपरा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी सहस्त्रों वर्ष पहले थी। हर दशहरा पर हम रावण का पुतला जलाते हैं, बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक मानते हुए। पर क्या सचमुच रावण हर बार मर जाता है? या फिर वह हमारे भीतर, समाज की विसंगतियों में, हर अन्याय और असमानता में जिंदा रहता है? रावण के व्यक्तित्व में आश्चर्यजनक विरोधाभास हैं। वह शिव का परम भक्त, संगीत और वेदों का प्रकांड ज्ञाता, अद्वितीय पराक्रमी और विद्वान था। यम और सूर्य तक उसके प्रताप से कांपते थे। लंका का स्वर्णिम साम्राज्य उसके इंजीनियरिंग कौशल और शासनकौशल की मिसाल है। उसने समाज में जातिगत भेदभाव को नकारा, शरणागत की रक्षा की, और मयार्दा की ऐसी मिसाल दी कि सीता का अपहरण करने के बावजूद उन्हें कभी स्पर्श नहीं किया। यही कारण है कि भारत के कई हिस्सों, मध्य प्रदेश के विदिशा, झारखंड, हिमाचल के बैजनाथ से लेकर कर्नाटक तक रावण की पूजा आज भी होती है। भगवान राम स्वयं उसकी विद्वता के कायल थे। लंका विजय से पहले यज्ञ में ब्राह्मण के रूप में रावण को आमंत्रित करने की कथा इसका प्रमाण है। लक्ष्मण को मृत्युशैया पर शिक्षा देने का प्रसंग बताता है कि ज्ञान के मामले में वह अद्वितीय था। किंतु उसका अहंकार और प्रतिशोधी स्वभाव उसके पतन का कारण बना। कहानी यह भी कहती है कि रावण का युद्ध केवल बहन सुपनखा के अपमान का प्रतिशोध नहीं था, बल्कि एक गहरे आध्यात्मिक उद्देश्य से भी जुड़ा था, असुर योनि से मुक्ति पाने का संकल्प। उसने स्वयं नारायणावतार राम के हाथों मरने को मोक्ष का मार्ग माना। आज का समाज जब दशहरा मनाता है, तो यह सवाल बार-बार उठता हैः क्या हम वास्तव में अपने भीतर के रावण को परास्त कर पा रहे हैं? भ्रष्टाचार, भेदभाव, स्त्री के प्रति हिंसक दृष्टि, स्वार्थ और लोभकृये सब उस जीवित रावण के ही रूप हैं, जो हमारे चारों ओर मौजूद है।

श्रीराम का आदर्श

रामराज्य का आदर्श केवल मंदिरों में नहीं, जीवन में उतारने से आएगा। जब तक हम समानता, न्याय और करुणा का व्यवहार नहीं अपनाते, पुतले जलाने से कुछ नहीं होगा। राम के नाम पर हिंसा करने वाले, स्त्रियों को वस्तु समझने वाले, जाति-धर्म में बंटा समाज, क्या यह हमारे भीतर का रावण नहीं? रावण का यह जटिल चरित्र हमें आईना दिखाता हैः अच्छाई और बुराई दोनों हर मनुष्य में हैं। दशहरा का वास्तविक संदेश यही है कि हम अपने भीतर छिपे अहंकार, लालच और अन्याय को पहचानें और उसे नष्ट करें। जब तक यह नहीं होता, तब तक रावण सचमुच कभी नहीं मरेगा।

महाराष्ट्र के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में इन दिनों बाढ़ की भीषण प्राकृतिक आपदा आई हुई है। इस आपदा पीड़ितों की मदद के लिए श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास ने मुख्यमंत्री सहायक कोष के लिए 10 करोड़ रुपए की निधि देने की घोषणा की है। इस बात की जानकारी श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी ने दी है। आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि महाराष्ट्र में बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा आई हुई है। महाराष्ट्र सरकार इस आपदा से त्रस्त लोगों की हर संभव मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास द्वारा भी आपदा पीड़ितों की मदद के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 10 करोड़ रुपए दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी भगवान सिद्धिविनायक के श्री चरणों में विनती है कि वे कृपा करें और महाराष्ट्र जल्द से जल्द इस संकट से बाहर आकर विकास पथ पर आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों की मदद करना मानवीय कर्तव्य है।

अंधेरी पूर्व में माता की चौकी का भव्य आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नवरात्रि के पावन अवसर पर मुंबई में जगह जगह नवरात्रोत्सव का आयोजन किया गया है। डांडिया और माता की चौकी का भी भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में अंधेरी विधानसभा पूर्व के वार्ड ७९ में मुंबई भाजपा के सचिव व अजय चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय तिवारी की ओर से माता की चौकी का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर माता की चौकी में अंधेरी पूर्व के विधायक मुरजी भाई पटेल , सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी , उत्तर पश्चिम जिला अध्यक्ष ज्ञान मूर्ति शर्मा जी ,भाऊ इंद्रसेन उपाध्याय , प्रमोद पांडे , अखिलेश सिंह , साहब लाल चौबे , जय प्रकाश सिंह ,जय प्रकाश चौबे , बाबा यादव , हरिशंकर यादव , प्रभाकर मिश्रा , ओपी तिवारी ,मंडल अध्यक्ष राखी गुप्ता सहित भाजपा के बड़ी संख्या में पदाधिकारी , कार्यकर्ता और भारी संख्या में भक्त गण उपस्थित थे। श्रद्धालुजनों ने भजन, गायन के माध्यम से अंबेमाता की आराधना की। मुंबई भाजपा के सचिव व अजय चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय तिवारी ने माता चौकी में आए हुए गणमान्य लोगों के साथ साथ शाखा प्रमुख अमित मांतोडकर, पूर्व मोगरा गणपति मंडल के अध्यक्ष राजेश हटवार और नवरात्रि उत्सव मंडल के सभी पदाधिकारियों का बहुत बहुत आभार जताया ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भिवंडी में नमो युवा रन मैराथन का किया गया आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा युवा मोर्चा भिवंडी शहर जिला द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर ‟नमो युवा रन मैराथन‟ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 1500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। भिवंडी पश्चिम विधायक महेश चौघुले भाजपा जिला अध्यक्ष रविकांत सावंत ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर युवाओं का उत्साहवर्धन किया। युवा मोर्चा अध्यक्ष राजू चौघुले के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। यह आयोजन युवाओं की ऊर्जा और उत्साह को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करने का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इस आयोजन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को समर्पित किया गया। विधायक महेश चौघुले ने बताया कि‟नमो युवा रन मैराथन‟ ने न केवल युवाओं को एक मंच प्रदान किया बल्कि सामूहिकता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई। इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्याम अग्रवाल, श्याम भोईर, मंगेश यादव, एड. हीरालाल कोरे, विकास बाफना, सहित युवा मोर्चा कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने सफल बनाया ।

बीएसएनएल ने शुरू किया इंटेलिजेंट स्वदेशी 4जी नेटवर्क 26,700 और गाँवों को जोड़ेगा

मुंबई/पटना। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (बीएसईः 532540, एनएसईः टीसीएस), भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल), सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) और तेजस नेटवर्क्स लिमिटेड (बीएसईः 540595, एनएसईः तेजसनेट) ने साथ मिलकर आज भारत टेलीकॉम स्टैक का अनावरण किया। यह पूरी तरह से भारत में डिजाइन और विकसित किया हुआ एक आधुनिक, सुरक्षित समाधान है। यह पहल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल रूप से जुड़े और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण से प्रेरित है। इस लॉन्च के साथ, भारत दुनिया का पांचवां ऐसा देश बन गया है, जिसने 4जी और उससे आगे के लिए एक आत्मनिर्भर, स्वदेशी दूरसंचार प्रौद्योगिकी स्टैक बनाया है। एक मिशन मोड कार्यक्रम के रूप में, टीसीएस ने डेटा सेंटर स्थापित किया, सी-डॉट के ईपीसी कोर एप्लिकेशन, तेजस के बेस स्टेशनों और 100,000 से अधिक साइटों पर रेडियो बुनियादी ढांचे को स्थापित और शुरू किया। 24/7 रियल टाइम नेटवर्क प्रबंधन के लिए टीसीएस के कॉग्निटिव नेटवर्क ऑपरेशन्स (टीसीएस सीएनओपीएसळट) प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर इसके कार्यान्वयन का नेतृत्व किया। इसे पूरा करने के लिए सार्वजनिक और निजी सहयोगियों के बीच गहन इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और निर्बाध सहयोग की आवश्यकता थी। यह परियोजना टीसीएस, बीएसएनएल, दूरसंचार विभाग, सक्रिय मैकिन्से एंड कंपनी, सी-डॉट, तेजस, आई एंड सी पार्टनर्स आदि द्वारा 'मिशन-मोड' में चलाई जाती है।

जिला परिषद पालघर में साथी पोर्टल-फेज 2 कृषि निविष्ठा विषय पर कार्यशाला आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर के जननायक बिरसा मुंडा सभागृह में कृषि विभाग की ओर से साथी पोर्टल झ्र फेज 2 कृषि निविष्ठा विषय पर मार्गदर्शन कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में जिला कृषि अधिकारी सोमनाथ पिंजरी ने साथी पोर्टल फेज 2 में ऑनलाइन प्रक्रिया, निविष्ठा विक्रेता व दुकानदारों की समस्याओं के बारे में मार्गदर्शन किया। प्रकल्प संचालक विनायक पवार ने बीज विक्रय पद्धति, रासायनिक खाद का संतुलित उपयोग, जैविक खाद का महत्व तथा रासायनिक खाद के अति प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभाव पर विस्तार से जानकारी दी तथा किसानों और विक्रेताओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती करने का संदेश दिया। अभियान अधिकारी आदित्य राऊल ने कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग, वैकल्पिक उर्वरकों और कृषि निविष्ठा नियंत्रण से जुड़ी जानकारी साझा की। वहीं जिला कृषि अधिकारी (सामान्य) हातांगले ने विभाग की विभिन्न योजनाओं और सहायता कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर उपस्थित निविष्ठा विक्रेता, दुकानदार और बीज कंपनी प्रतिनिधियों ने विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यशाला का समापन अभियान अधिकारी आदित्य राऊल के मार्गदर्शन के साथ हुआ।कार्यक्रम में जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, प्रकल्प संचालक (आत्मा) विनायक पवार, अभियान अधिकारी आदित्य राऊल, जिला कृषि अधिकारी (विशेष घटक योजना) विश्वजीत माने, जिला कृषि अधिकारी (सामान्य) उमाकांत हातांगले, जिला गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक गायकवाड़, कृषि सेवा केंद्र समिति अध्यक्ष आशीष पाटील सहित जिले के सभी तहसील स्तरीय कृषि अधिकारी, डीलर तथा निविष्ठा विक्रेता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मुंबई राजभवन में प्रभु राम ने की पंजाब के राज्यपाल से भेंट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राजभवन में मुंबई प्रजापति समाज के अध्यक्ष प्रभु राम ने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर प्रभु राम ने राज्यपाल को पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। भेंट के दौरान सामाजिक मुद्दों एवं समाज की प्रगति के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। प्रजापति समाज के अध्यक्ष ने समाज के उत्थान हेतु राज्यपाल से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

इस मुलाकात को प्रजापति समाज के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे समाज की गतिविधियों को और गति मिलेगी। इस मौंके पर सावलाराम प्रजापत, सुरेश भाई भंसाली, दिलीप प्रजापत मौजूद रहे।

शिवसेना महिला आघाड़ी द्वारा आयोजित लाडक्या बहिणीची मंगलागौर स्पर्धा 2025 संपन्न

पालघर (उत्तरशक्ति)। शिवसेना महिला आघाड़ी द्वारा लाडक्या बहिणीची मंगलागौर स्पर्धा 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सौ. मेघना संपत वैराल का भव्य सत्कार किया गया। यह सत्कार वैदही विशाल वाढान (जिलाध्यक्षा, पालघर महिला जिला संघटिका तथा अनुसूचित जाती-जमाती आयोग की सदस्या) एवं ज्योती मेहेर के हस्ते संपन्न हुआ। सत्कार प्राप्त करने के बाद सौ. मेघना वैराल ने कहा कि वैदही वाढान ने मेरे सामाजिक कार्य की दखल लेकर जो सराहना व सम्मान किया, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ।

साधारण तरीके व उच्च विचारों के साथ हमेशा जमीन से जुड़कर समाजकार्य करती हैं। बड़े पद पर पहुँचने के बाद भी वे सभी से आत्मीयता से मिलती हैं और यही उन्हें मेरा प्रेरणास्थान बनाता है। इस अवसर पर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा नवरात्रि पर गरबा-डांडिया का भव्य कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर तारापुर औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत स्थित बालाजी बैंक्वेट हॉल में शनिवार 27 सितम्बर 2025 की शाम को रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर द्वारा नवरात्रि के छठे दिन गरबा-डांडिया महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर 125 से अधिक रोटेरियन व विशेष अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

गरबा-डांडिया कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी परियोजना निदेशक संदीप राऊत ने संभाली। उनके कुशल नेतृत्व और वर्षों के अनुभव ने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इसी तरह रोटेरियन जगदीश भूते व क्लब सेक्रेटरी शैलेश अग्रवाल ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं सुंदर उपहारों की व्यवस्था करने के लिए रोटेरियन अलका जैन का विशेष धन्यवाद किया गया। क्लब अध्यक्ष राम नारायण गोयल ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं बल्कि आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। उन्होंने सभी रोटेरियन, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए मां भगवती से सभी के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। भारी बारिश के बावजूद कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटेरियन रामकृष्ण मोदी का विशेष योगदान रहा। उन्होंने रोटरी क्लब को अपना बैंक्वेट हॉल उपलब्ध कराकर आयोजन को सुचारू रूप से सम्पन्न होने में मदद की। क्लब ने उनके इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष राम नारायण गोयल व सचिव शैलेश अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी तरह के सफल आयोजन जारी रखने का संकल्प दोहराया।

भाजी विक्रेता की मनसे द्वारा जमकर पिटाई

भाजी विक्रेता ने मराठियों का अपमान किया - मनसे का आरोप

चेतन निर्मल संवाददाता

बदलापुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर में मराठी भाषा और मराठी लोगों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में एक फेरीवाले की मनसे के लोगों ने बड़ी बेरहमी से पिटाई की है, पिटाई का वीडियो भी शोशल मीडिया पर वायरल किया गया। इस घटना से बदलापुर में फेरीवालों में भय का माहौल है।

जानकारी के मुताबिक, फेरीवाला बदलापुर पश्चिम रेलवे स्टेशन परिसर में सब्जियाँ बेचता है। सोमवार को बदलापुर नगर निगम ने उसकी दुकान पर कार्रवाई शुरू की, तो नाराज होकर उसने मराठी भाषा और मराठी लोगों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इस तरह का आरोप मनसे के लोगो ने करते हुवे भाजी विक्रेता पर अपना गुस्सा निकालते हुवे उसकी जमकर पिटाई किया । इतना ही नही उससे हाँथ जोकर मांफी भी मांगने को कहा गया । इस बात की जानकारी जैसे ही बदलापुर पुलिस को लगी मौके पर पहुँचकर पूरे मामले की तहकीकात करने में जुटी है। बदलापुर पुलिस से बात करने पर कहा गया हमारी जांच जारी है , पीड़ित द्वारा शिकायत आने पर मारपीट करने वालों पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूरी की मुंबई से कच्छ तक की साइकिल यात्रा

संजय मिश्रा

मुंबई,(उत्तरशक्ति)। आशापुरा माता के भक्तों द्वारा आयोजित एक विशेष साइकिल यात्रा हाल ही में संपन्न हुई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मुंबई से गुजरात के कच्छ स्थित आशापुरा माता मंदिर तक की यात्रा पूरी की। इस पवित्र यात्रा का आयोजन चामुंडा टाइगर ग्रुप, अंधेरी द्वारा किया गया, जो पिछले छह वर्षों से इस धार्मिक परंपरा को निभा रहा है। यह यात्रा हर साल अंधेरी (मरोल नाका) से नवरात्रि के अवसर पर प्रारंभ होती है और करीब 9 दिनों की कड़ी मेहनत और आस्था से परिपूर्ण होती है। श्रद्धालु इस यात्रा के दौरान गुजरात में स्थित नौ देवी मंदिरों के दर्शन करते हैं—चेहर भवानी मां, बूट भवानी मां, चामुंडा मां, खोडियार मां, रवेची मां, एकल मां, मोगल मां और अंत में मां आशापुरा का दर्शन करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस बार यात्रा में विशेष बात यह रही कि रमेश अहीर और विष्णु अहीर जैसे नए श्रद्धालुओं ने भी पहली बार हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ यह कठिन यात्रा पूरी की। रास्ते भर भक्तों का जोश देखते ही बनता था—बैंड, बाजे, ढोल-नगाड़ों के साथ जयकारों की गूंज और मां के भजनों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने बताया कि यह यात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और सामूहिक भक्ति का अद्वितीय अनुभव है। हर वर्ष सैकड़ों की संख्या में लोग इस यात्रा में भाग लेते हैं और मां आशापुरा से अपने लिए और समाज के लिए सुख-समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।

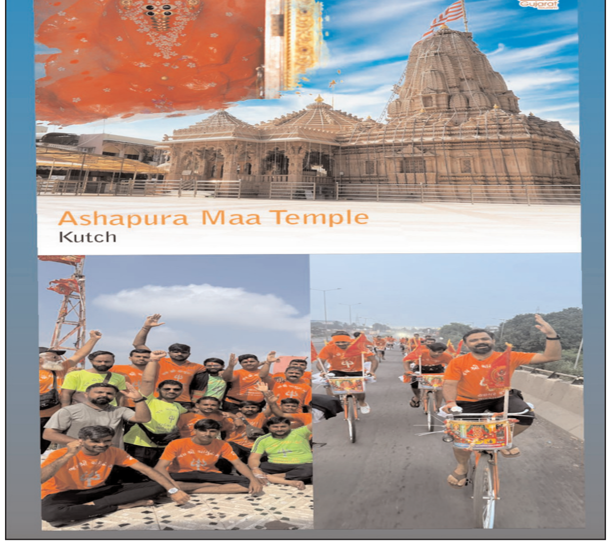

यात्रा संपन्न होने के बाद सभी भक्त वापस मुंबई की ओर रवाना हो गए हैं, मन में माता के आशीर्वाद और अगले वर्ष फिर आने की आशा लिए।

सांप के काटने से तीन साल की बच्ची की मौत, मौसी का इलाज जारी

डोंबीवली। डोंबिवली में एक तीन साल की एक बच्ची को रात को सोते समय साँप ने काट लिया। बच्ची जोर जोर से रोने लगी परिवार के लोगो को समझ मे नही आया कि बच्ची के साथ क्या हुवा है, जिसको लेकर वह इतना रो रही है । कुछ देर बाद बच्ची के मौसी को भी सांप ने काटा तब परिवार को पता चला कि बच्ची प्राणवी को भी सांप ने काटा है । बच्ची और उसकी मौसी को केडीएमसी शास्त्री नगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन, बच्ची की तबीयत बिगड़ती गई। उसे दूसरे अस्पताल ले जाने को कहा गया । कुछ देर बाद बच्ची की मौत हो गई ।

मिली जानकारी के अनुसार विक्की भोईर डोंबिवली के अजदे गाँव में रहते है। उनकी बेटी और पत्नी को खंबलपाड़ा मौसी के घर भेज दिया था। मौसी के घर जाकर प्रणवी रात को मौसी के पास सोई। अचानक वह जोर-जोर से रोने लगी। उस आवाज से मौसी जाग गई। उन्होंने रोती हुई प्रणवी को उसकी माँ को सौंप दिया। घर के लोग समझ नही पाए कि उनकी बच्ची क्यो रो रही है । कुछ समय बाद मौसी को को सांप ने काटा तभी पता चला कि सांप ने बच्चों को भी काटा है । इस लिए बच्ची रो रही है । इलाज के लिए शास्त्री नगर अस्पताल में भर्ती किया गया लेकिन जैसा इलाज की जरुरत थी अस्पताल में सुविधा उपलब्ध नही होने की वजह से दूसरे अस्पताल में भेजा गया । मौसी का इलाज चल रहा है । वही तीन साल की बच्ची प्राणवी की मौत हो गई ।

टोयोटा ने सस्टेनेबिलिटी को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

मुंबई। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस पर, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत में पर्यावरण संरक्षण और लोगों की सेहत के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। 2015 में शुरू किए गए टोयोटा एनवॉयरमेंटल चैलेंज 2050 (टीईसी 2050) की 6 चुनौतियों के आधार पर, टीकेएम कार्बन उत्सर्जन को कम करने, अपने उत्पादों, विनिर्माण प्रक्रियाओं और पूरी सप्लाई चेन में स्थायी तरीके अपनाकर बदलाव ला रहा है। साथ ही, यह प्राकृतिक संसाधनों को बचाने और प्रभावी परियोजनाओं के जरिए समुदायों को बेहतर बनाने का काम कर रहा है।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस हमें याद दिलाता है कि पर्यावरण की गुणवत्ता और लोगों का स्वास्थ्य आपस में जुड़े हैं। स्वच्छ हवा, पानी, प्रभावी कचरा प्रबंधन और प्रदूषण नियंत्रण को बढ़ावा देकर, यह दिन पर्यावरण की रक्षा के महत्व को दशार्ता है। टीकेएम की पर्यावरण के अनुकूल पहलें उत्सर्जन और संसाधनों को बचाने के साथ-साथ स्वस्थ समुदायों को बढ़ावा देती हैं। 'पृथ्वी के लिए सम्मान' (रेस्पेक्ट फॉर द प्लैनेट) के सिद्धांत के साथ, टीकेएम ने अपने उत्पादों, उत्पादन प्रक्रियाओं और सामुदायिक कार्यक्रमों में नए विचारों और स्पष्ट लक्ष्यों को शामिल किया है, ताकि ठोस और बड़े पैमाने पर परिणाम मिल सकें। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर -मैन्युफैक्चरिंग, श्री बी. पद्मनाभ ने कहा, टीकेएम में, सस्टेनेबिलिटी हमारे संचालन, नवाचार और विकास का आधार है। पिछले एक साल में, हमने कई क्षेत्रों में निर्णायक प्रगति की है, जैसे कि बिदादी संयंत्र में 100% रिन्युएबल एनर्जी का उपयोग, वैल्यू चेन में डीकार्बनाइजेशन को बढ़ावा देना और चक्रीय अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना। अपने प्रयासों की मदद से, हमने व्यापक सामुदायिक कार्यक्रमों के जरिए लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। अपने साझेदारों, हितधारकों और कर्मचारियों के साथ मिलकर, हम भारत और उसके बाहर एक स्थायी भविष्य की रूपरेखा तैयार करने में मदद कर रहे हैं।

सोनाटा फेस्टिव कलेक्शन 2.0 हर मौके के लिए लाया त्योहारों की चमक और शानदार डीटेलिंग

मुंबई/बैंगलुरू। त्योहारों का सीजन आ गया है, इस बीच सोनाटा लेकर आए हैं अपना फेस्टिव कलेक्शन 2.0- घड़ियां जो समय और परम्परा का जश्न मनाती हैं। उपहार देने की खुशियों को जीवंत करने वाली ये नई घड़ियां आधुनिक डिजाइन एवं त्योहारों की भव्यता का शानदार संयोजन हैं, जो खास पलों को यादगार बनाने के लिए बेहतरीन चुनाव हैं। पुरूषों के कलेक्शन में शामिल हर घड़ी समृद्ध डायल, बोल्ड केस शेप या सोनाटा के क्लासिक रोमन मार्कर्स एवं क्रोको-पैटर्न स्ट्रैप्स के साथ भव्यता का अहसास देती है। ब्लू एवं ग्रीन में कलर्ड डायल इसके टेक्सचर और विजुअल अपील को कई गुना आकर्षक बना देते हैं, वहीं फंक्शनल फीचर्स जैसे क्रोनोग्राफ, मल्टीफंक्शन डे एंड डेट और डायल पर दिया गया सन एंड मून इंडीकेटर इन्हें शानदार लुक तो देता ही है, साथ ही बेहतरीन कारीगरी के साथ व्यवहारिक भी बनाता है। ये सभी विवरण इस कलेक्शन को त्योहारों के अनुकूल और भव्य बनाते हैं, जो इन खास पलों को यादगार बनाने एवं उपहार देने के लिए भी बेहतरीन हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाणगांव मेंआयोजित महिलाओं का भव्य हलदी-कुंकू समारोह संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। नवरात्र महोत्सव मंडल वाणगांव एवं पालघर जिला विश्व मांगल्य सभा के संयुक्त तत्वावधान में वाणगांव में रविवार 28 सितंबर 2025 को कन्या दिवस के अवसर पर भव्य हलदी-कुंकू समारोह का आयोजन किया गया। मूसलधार बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम के माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया।

कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि एवं वक्ता के रूप में ठिणगी सामाजिक सेवा संस्था की अध्यक्षा तथा सेवानिवृत्त मुख्याध्यापिका डॉ. स्मिता सुधीर मालवदे उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने मार्गदर्शन में विश्व मांगल्य और नवदुर्गा हमारे भीतर ही विद्यमान है विषय पर प्रभावी विचार व्यक्त किये। महिलाओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उन्होंने संतुलित व सारगर्भित उत्तर दिए, जिससे उपस्थित महिलाओं का मन जीत लिया। पालघर जिला संयोजिका मीनाक्षी दवणे ने मातृशक्ति और संस्कारी माता के महत्व पर चर्चा की। वहीं सौ.शोभा ने डॉ. मालवदे का विश्व मांगल्य सभा की ओर से दैनंदिनी पुस्तिका भेंट कर सम्मान किया।इस अवसर पर नवरात्रोत्सव मंडल के अध्यक्ष जयकुमार बारी उपस्थित थे।

मंडल की कार्यकर्त्री अंजना खताल ने डॉ. मालवदे का स्वागत पुष्पगुच्छ व हलदी-कुंकू से किया। साथ ही सौ. खताल एवं सौ. गुप्ता ने महिलाओं को गृह उपयोगी वस्तुएं वितरित किये। समारोह का आभार प्रदर्शन मल्लिका बारी ने किया। कार्यक्रम के समापन पर नवरात्रोत्सव मंडल की ओर से अल्पाहार की व्यवस्था की गई। भव्य हलदी-कुंकू समारोह उत्साह व सौहार्द पूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने जीएसटी रिफॉर्म्स के दृष्टिगत मड़ियाहूं में व्यापारियों से किया संवाद

व्यापारियों/ग्राहकों ने जताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जताया आभार

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत प्रभारी मंत्री ने सफाई मित्रों को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रभार जनपद जौनपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उषा उपवन खैरुद्दीनगंज नगर क्षेत्र मड़ियाहूं में व्यापारियों एवं दुकानदारों से संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी सुधारों की विस्तृत जानकारी दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सुधार देश की आर्थिक व्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं।

मंत्री शर्मा ने बताया कि जीएसटी में की गई दर कटौतियों का सीधा असर बाजार पर दिखाई देने लगा है। रोजमर्रा की उपयोगी वस्तुओं को 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की श्रेणी से निकालकर 5 प्रतिशत के स्लैब में लाया गया है। इससे उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी और बाजार में खरीदारी की रफ्तार बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पहले कर ढांचा जटिल और असमान था, लेकिन अब ह्वएक राष्ट्रह्वएक टैक्सह्व व्यवस्था ने कारोबारियों के लिए पारदर्शी माहौल तैयार किया है। छोटे दुकानदार से लेकर बड़े व्यापारी तक सभी को समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

संवाद के दौरान ऊर्जा मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्माण क्षेत्र को विशेष लाभ दिया गया है। सीमेंट की दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे मकान बनाने और अवसंरचना विकास की लागत में कमी आएगी। इसी तरह ऑटो पार्ट्स और कई प्रकार के वाहन अब 18 प्रतिशत की श्रेणी में आ गए हैं, जिससे ऑटोमोबाइल उद्योग को मजबूती मिलेगी।

मंत्री श्री शर्मा ने स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सुधारों पर जोर देते हुए बताया कि 33 जीवनरक्षक दवाओं पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा, जबकि 3 अन्य दवाओं पर कर शून्य कर दिया गया है। कई चिकित्सा उपकरण और डिवाइस भी 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं, जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर भी अब जीएसटी नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि इससे न केवल मरीजों और आम नागरिकों पर आर्थिक बोझ कम होगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं को भी सुलभ बनाया जा सकेगा।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ट्रैक्टर और कृषि मशीनरी पर कर को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया है। इसी तरह कुटीर उद्योग और एमएसएमई क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के लिए हैंडलूम, मैनमेड फाइबर और यार्न पर भी कर दरों में कमी की गई है। मंत्री ने कहा कि इन सुधारों से रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और ग्रामीण स्तर पर उत्पादन क्षमता मजबूत होगी।

ऊर्जा मंत्री ने सेवाओं पर किए गए सुधारों को भी विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि अब रु० 7,500 प्रतिरात तक के होटल कमरों पर कर केवल 5 प्रतिशत लगेगा, जिससे पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को नई गति मिलेगी। साथ ही जिम, योग केंद्र और सलून जैसी सेवाओं पर भी कर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे आम लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

व्यापारियों और दुकानदारों ने संवाद के दौरान स्वीकार किया कि जीएसटी सुधारों से उनके कामकाज में पारदर्शिता आई है, हिसाब-किताब आसान हुआ है और ग्राहकों का विश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने इसे उद्योग जगत के लिए एक ह्वगेम चेंजरह्व बताया। आमजन ने भी कहा कि रोजमर्रा की वस्तुएँ सस्ती होने से घरेलू बजट पर सकारात्मक असर पड़ा है।

मंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जीएसटी सुधारों ने देश की आर्थिक एकता को सशक्त किया है और व्यापार जगत में नया भरोसा जगाया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार व्यापारी वर्ग के साथ हर कदम पर खड़ी है। व्यापारी न केवल अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं बल्कि समाज के विकास का भी आधार हैं, और उनकी सुरक्षा तथा प्रगति के लिए सरकार लगातार प्रयासरत रहेगी।

उन्होंने कहा कि घर, हॉस्पिटल, चौराहे, बस स्टेशन, सभी स्वच्छ हो जिससे महात्मा गांधी जी के सपनों को साकार किया जा सके, प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छता का संकल्प लिया जिसे हम सभी को मिलकर साकार बनाने की आवश्यकता है। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सफाई मित्र को सम्मानित किया जा रहा है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जयंती से गांधी जयंती का एक सप्ताह का समय सफाई अभियान के सहयोग करें, योगदान करे सफाई को आदत बनाए, उत्तर प्रदेश को स्वच्छ बनाए जिससे आने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रदेश को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो। उन्होंने सफाई मित्रो का धन्यवाद किया।

विधायक मडियाहू डॉ० आर०के० पटेल ने कहा कि शासन द्वारा विभिन्न रोजमर्रा की वस्तुओं पर जीएसटी दर घटाई गया है, जिससे लोगों को सहूलियत हो जिसके लिए हम प्रधानमंत्री का आभारी है।

जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के ब्लॉक बी सहयोग अवश्य करें तथा देश के विकास में सहभागी बने। उपस्थित समस्त को प्रभारी मंत्री द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा अंतर्गत सफाई मित्र सुमारी देवी, पंकज गौतम, रेखा कुमारी सहित अन्य को प्रमाण पत्र, अंगवस्त्रम एवं मिष्ठान देकर सम्मानित किया गया। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवम समाजसेवियों मा० मंत्री जी को सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष मछलीशहर अजय सिंह द्वारा उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व सांसद मछलीशहर बीपी सरोज, जिला अध्यक्ष मछलीशहर अजय सिंह, पूर्व विधायक श्रीमती सुषमा पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाएं युवा: डॉ.अशरफ अली

◆ पीयू में डिजिटल इंडिया पहल पर कार्यशाला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह की प्रेरणा एवं जिला युवा अधिकारी राम गोपाल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मेरा युवा भारत के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर कार्यशाला का आयोजन हुआ।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता डॉ. अशरफ अली (वाणिज्य विभाग, नूरुद्दीन खा गर्ल्स पीजी कॉलेज, अफलेपुर) ने युवाओं से कहा कि इंटरनेट के युग में सरकार की योजनाओं की जानकारी एक क्लिक में उपलब्ध है। उन्होंने छात्रों को संदेश दिया कि वे इन योजनाओं का लाभ लें और समाज के हर वर्ग तक पहुँचाएँ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने कहा कि डिजिटल इंडिया केवल तकनीकी पहल नहीं, बल्कि यह गाँव-गाँव तक शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग, रोजगार और शासन की पहुँच आसान बनाकर सशक्त भारत के निर्माण का माध्यम है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. श्याम कन्हैया ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ और चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह तकनीक शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। साथ ही उन्होंने सरकार की आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, जन धन योजना, स्टार्टअप इंडिया व मेक इन इंडिया जैसी पहलों को युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताया।

कार्यशाला के उपरांत डिजिटल इंडिया पहल विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें शशिकांत गौतम प्रथम, प्रियांशी मौर्य द्वितीय एवं अभिनव कीर्ति पाण्डेय तृतीय स्थान पर रहे।

कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सुमित सिंह ने किया तथा समन्वयक डॉ. शशिकांत यादव (कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस) ने किया। मेरा युवा भारत जौनपुर के लेखाधिकारी विशाल सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। कुल 50 पंजीकृत युवाओं ने सक्रिय भागीदारी की।

देवी धाम बसौली में मां कालरात्रि की हुई पूजा

◆ श्रद्धालुओं ने माता रानी के चौखट पर टेका मत्था

सुइथाकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के पश्चिमांचल में स्थित क्षेत्र के लोगों के लिए अटूट आस्था, श्रद्धा एवं भक्ति का केंद्र देवी धाम बसौली में शारदीय नवरात्र के सप्तम दिन हजारों श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में मत्था टेका। मंदिर में दर्शन के लिए आए माता रानी के भक्तों में भक्ति का एक अलग उत्साह एवं उल्लास दिखा।

मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित रमेश तिवारी ने बताया कि नवरात्र का सातवां दिन मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा करने का विधान है। देवी भागवत के अनुसार विधि-पूर्वक देवी की पूजा करने से भूत, प्रेत और बुरी शक्तियों से छुटकारा मिलता है। मान्यता है कि मां के इस स्वरूप से सभी सिद्धियां प्राप्त होती हैं। यही कारण है कि तंत्र-मंत्र करने वाले मां कालरात्रि की विशेष रूप से पूजा करते हैं। देवी को शुभंकरी, महायोगीश्वरी और महायोगिनी के नाम से भी जाना जाता है। मां के इस स्वरूप को वीरता और साहस का प्रतीक माना जाता है। माता का रंग काला होने के कारण इन्हें कालरात्रि कहा गया है। बताया कि यह मंदिर करीब 14 कोस में विख्यात है जिन्हें कुल देवी भी माना जाता है। करीब 250 वर्ष प्राचीन मंदिर दिव्य और अलौकिक रहस्यों से भरा हुआ है। चैत्र नवरात्रि में करीब 50 किमी दूर से श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। इसके अलावा मंदिर सुल्तानपुर की सीमा से सटा हुआ है जिससे जौनपुर के समीपवर्ती जनपद सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अंबेडकर नगर व आजमगढ़ आदि जिलों के लोगों की भी आस्था जुड़ी हुई है।

किताब जीवन की सच्ची मित्र: प्रो.मनोज मिश्र

पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने किया सामूहिक पठन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राज भवन के

निर्देश पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह के निर्देशन में अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संकाय द्वारा 'पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लकिताबें जीवन की सच्ची मित्र होती हैं, जो कभी धोखा नहीं देतीं। कठिन समय में भी वे हमारा मार्गदर्शन करती हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे प्रतिदिन कुछ समय पुस्तकों को दें, क्योंकि यही आदत उन्हें समाज का सच्चा मार्गदर्शक बनाएगी। व्यावहारिक मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि 'किताबें केवल ज्ञान देने वाली नहीं होतीं, बल्कि वे हमारी सोच, तर्कशक्ति और रचनात्मकता को विकसित करती हैं।' नियमित पठन से विद्यार्थी जीवन के हर क्षेत्र में उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ते हैं। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. अमित मिश्र एवं अर्पित कुमार समेत सभी शिक्षक विद्यार्थियों के साथ बैठकर पुस्तकों का सामूहिक अध्ययन किया। कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों ने इस पहल को अत्यंत प्रेरणादायक बताया और संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन किताबों के अध्ययन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएंगे।

मिशन शक्ति के तहत किया शिक्षिकाओं के साथ संवाद

गाजीपुर, (उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत विकास भवन सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष सपना सिंह, जिला विकास अधिकारी सुभाष चन्द्र सरोज, जनपद नोडल रागिनी श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गाजीपुर द्वारा प्रतिभा किया गया। कार्यक्रम दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ माननीय अध्यक्षा द्वारा किया गया जिसमें संवाद के माध्यम से सभी उपस्थिति शिक्षिकाओं के साथ संवाद किया गया। सभी शिक्षिकाओं ने मिशन शक्ति की महत्व को उसके परिणाम और इसकी क्या उपयोगिता है उस पर विस्तार से प्रकाश डाला। जनपद के माध्यमिक विद्यालयों से उपस्थित शिक्षिकाएं और प्रधानाचार्य प्रधानाध्यापिकाएं ने अपना बहुमूल्य समय देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य राजकीय सिटी इंटर कॉलेज दिनेश सर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। सभी को प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया।

लापरवाही बरतने के आरोप में चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एसपी डॉ.कौस्तुभ ने बीती देर रात में मुफ्तीगंज चौकी इंचार्ज सुनील कुमार को रात्रि गश्त न करते हुए चौकी पर आराम करते हुए पाए जाने पर कार्य में लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। एसपी डॉ.कौस्तुभ के निर्देश पर देर रात में सीओ केराकत अजीत कुमार रजक थाना क्षेत्र के चौकी का निरीक्षण करते हुए मुफ्तीगंज चौकी पर पहुच गए। जिस पर चौकी इंचार्ज मुफ्तीगंज सुनील कुमार रात्रि गश्त न कर चौकी पर आराम करते हुए मिले। जिस पर सीओ अजीत रजक ने फटकार लगाते हुए इस लापरवाही को तत्काल एसपी डॉ कौस्तुभ को कॉल कर अवगत कराया। एसपी ने बीती देर रात में केराकत थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुफ्तीगंज चौकी इंचार्ज सुनील कुमार को कार्य मे लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। इस कार्यवाही से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

हर घर से घर-घर से निकलें राम: बागी

विजय दशमी पर्व पर आकर्षण का केंद्र रहेगा

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। असत्य पर सत्य की जीत का महापर्व पर भगवान श्रीराम के आदर्शों और पदचिन्हों पर चलकर धर्म का प्रचार प्रसार करना और सनान्त धर्म की नीतियों के पहुंचाने का कार्य जारी है। उक्त बातें सोमवार को प्रेस को जारी एक विज्ञप्ति में हिंदूवादी नेता सुशील सेठ बागी ने कहीं। बागी ने कहा की हम कई वर्षों से विजय दशमी के पर्व पर मेले के दिन रावण दहन स्थल

रामलीला मैदान में हर घर से निकले राम-घर घर से निकले राम आयोजित करते आये हैं। जिसमे छोटे छोटे बच्चे, किशोर और युवा प्रभु श्रीराम के पवित्र वेश भूसा में आते हैं। जो मेले का आकर्षण का केंद्र भी रहता है।इस बार इसका प्रोग्राम का आयोजन और भव्य तरीके से मनाया जाएगा। विज्ञप्ति उन्होंने आगे कहा की ऐसा कार्यक्रम उद्देश्य बच्चों और यूवाओं में प्रभु श्रीराम के बारे अधिक से अधिक जानने का उद्देश्य रहता है।ताकि बच्चे अपने आराध्य भगवान को शुरू से ही जाने और अधिक से अधिक ज्ञान प्राप्त करें।

आपात स्थिति से निपटने को वाराणसी पुलिस रहें सतर्क

कमिश्नर बोले- दंगाइयों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही में ना बरते कोताही

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कैंप कार्यालय पर रविवार को अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था

सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की। उन्होंने थाना प्रभारी निरीक्षकों से कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले दंगाइयों/असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। सभी प्रभारी निरीक्षकों/ थानाध्यक्षों के वाहनों में दंगा नियंत्रण उपकरणों की जांच की गई। निर्देश दिए गए कि आवश्यकतानुसार उपकरणों को पूरी तरह से क्रियाशील रखें। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान को और तेज करें। शोहदों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें ताकि समाज में सकारात्मक मेसेज जाए। एंटी रोमिया स्क्वॉड रोजाना स्कूल, कॉलेज, बाजार, पुलिया आदि पर चेकिंग करे और महिला संबंधी अपराधों में तत्काल कार्रवाई करे। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय एवं कानून-व्यवस्था) शिवहरी मीणा, अपर पुलिस आयुक्त अपराध राजेश सिंह समेत अन्य अफसर मौजूद रहे।

संदिग्ध ड्रोन निकला खिलौना, अफवाह फैलाने वाले दो युवक गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में ड्रोन जैसी वस्तु देखे जाने और फिर उससे जुड़ी अफवाहों ने कई दिनों तक सनसनी फैलाई। हालांकि पुलिस की तत्परता और जांच से मामला पूरी तरह स्पष्ट हो गया। एक ओर जहां संदिग्ध ड्रोन केवल खिलौना निकला, वहीं दूसरी ओर अफवाह फैलाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दिनांक 27 सितम्बर को थाना सरायख्वाजा क्षेत्र के ग्राम गौसपुर

चकिया में संदिग्ध ड्रोन जैसी वस्तु दिखने की सूचना पर पुलिस व पीआरवी 112 वाहन संख्या 2333 तत्काल मौके पर पहुंची। जांच में पाया गया कि संबंधित वस्तु केवल एक खिलौना ड्रोन (हेलिकॉप्टर) है, जिसमें न तो कोई कैमरा और न ही विस्फोटक सामग्री थी। पुलिस ने इसे कब्जे में लेकर रपट संख्या-60 समय 21.44 पर दर्ज कर लिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह अहानिकारक है और जनसुरक्षा के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं है। सुरेरी में फैलाई गई ड्रोन उड़ने की अफवाह इसी बीच, थाना सुरेरी क्षेत्र के ग्राम कमरुद्दीनपुर में कई दिनों से ड्रोन उड़ने और चोरों के आने की अफवाह फैल रही थी। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मिश्र के निर्देशन में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया ।राज कुमार गौतम पुत्र गिरजाशंकर निवासी कमरुद्दीनपुर धीरज कुमार गौतम पुत्र सन्तोष कुमार गौतम निवासी कमरुद्दीनपुर दोनों युवक गांव में घूम-घूमकर झूठी बातें कर लोगों को गुमराह कर रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ मु0अ0सं0-135/25 धारा-353(2)/217 बीएनएस में अभियोग पंजीकृत कर, शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु धारा 170/126/135 बीएनएसएस में चालान कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

वेयरहाउस में मशीनों के रख-रखाव का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निदेर्शों के क्रम में 29 सितम्बर 2025 को अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ चन्द्रशेखर द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक/आन्तरिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा हाल एवं दरवाजे पर स्टिकर लगवाने एवं सीसीटीवी कैमरा की निरन्तर देखभाल हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर सभी

राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/मंत्री द्वारा सहमति व्यक्त करते हुए वेयरहाउस में मशीनों के रख-रखाव पर सन्तोष व्यक्त किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, जिला पंचायत राज अधिकारी/प्रभारी अधिकारी, ईवीएम/वीवीपैट नवीन कुमार सिंह एवं समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/ राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जौनपुर में दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास के लिए नई कमेटी ने ली जिम्मेदारी

राजेश स्नेह ट्रस्ट दिव्यांग बच्चों के स्कूल का कार्यकारिणी गठन हेतु बैठक संपन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर के रूहट्टा स्थित राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों का स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र की नई कार्यकारिणी का गठन का कार्यक्रम नगर के एक निजी होटल में सम्पन्न हुआ। जिसमें डॉ राम नारायण सिंह को अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष क्रमशः प्रदीप मिश्रा, अनिल गुप्ता, डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, सचिव किरन, सह.सचिव क्रमशः डॉ प्रज्ञा मिश्रा,अमित पाण्डेय,कोषाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, सह कोषाध्यक्ष क्रमशः पंकज सिंह, अभिषेक गुप्ता सदस्य क्रमशः अवधेश गिरी, अमित निगम, अरुण सिंह, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, राजेश मौर्य, राकेश सिंह, मनोज कुमार यादव, रविकांत जायसवाल, डॉ रसिकेश, कपिल गुप्ता, रेखा त्रिपाठी, रेखा सिंह, सलमान शेख सभी लोगों ने सामूहिक रूप से डॉ संदीप पांडेय को संस्था का संरक्षक बनाया। बैठक में दिव्यांग बच्चों के शिक्षा इलाज और भोजन उपलब्धता व सुचारू रूप से आवागमन पर गहन चर्चा हुई। भोजन बनाने हेतु बर्तन के लिए अरुण सिंह, राम नारायण सिंह, शरद साहू, राकेश सिंह

राजीव पाठक ने सहयोग बात कही। जबकि दिव्यांग बच्चों के भोजन हेतु संपूर्ण चावल की उपलब्धता हेतु अनिल गुप्ता ने जिम्मेदारी ली, रेखा त्रिपाठी ने गैस सिलेंडर, रेखा सिंह ने गैस चूल्हा, राम नारायण सिंह ने भोजन बनाने वाले में लगने वाले खर्च के वहन की जिम्मेदारी ली। अभिषेक गुप्ता ने सभी दिव्यांग को ठंड में जूते मोजे देने, दिव्यांग बच्चों के इलाज हेतु अरुण सिंह व नवीन मिश्रा ने चिकित्सकों के पैनल बना कर निःशुल्क इलाज, खाद्य सामग्री जैसे दाल आटा मसाला इत्यादि की उपलब्धता हेतु अरुण सिंह व डॉ राजेश कुमार गुप्ता ने जिम्मेदारी ली। दिव्यांग बच्चों के सुचारू आवागमन हेतु अरुण सिंह और अजय श्रीवास्तव ने सहयोग की जिम्मेदारी ली।

शिक्षिका हेमू को बच्चों के प्रति अत्यंत समर्पण के कारण अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में रिशु गुप्ता, राजेश गुप्ता, राहिल शेख, श्रेया, नैंसी, प्रियांशी, विष्णु प्रिया, अनुज पटेल मनीष सिन्हा, अशियम पठान उपस्थित रहे।

आत्म मंथन से मन में व्याप्त कुरीतियों को दूर करें: सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

78वां निरंकारी संत समागम सेवाभाव, समर्पण और मानवता का दिव्य उत्सव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इस विविधताओं से भरे संसार में जहाँ मानवता अनेक रूपों, भाषाओं, संस्कृतियों, जातियों और धर्मों में विभाजित दिखाई देती है, वहीं एक शाश्वत सत्य है जो हम सभी को एक अटूट सूत्र में पिरोता है। हम सभी एक ही परमात्मा की संतान हैं, जो हमें समय-समय पर अनके रूपों में आकर प्रेम, करुणा, समानता और मानवता का दिव्य संदेश देते है। हमारे भिन्न-भिन्न रूप और रहन-सहन होते हुए भी हमारे भीतर वही एक जैसी चेतना, जीवन-शक्ति प्रवाहित होती है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ती है।

इसी भावना को आत्मसात करते हुए, संत निरंकारी मिशन पिछले 96 वर्षों से ह्यवसुधैव कुटुम्बकमह्ल अर्थात ह्यसमस्त संसार एक परिवारह्ल की दिव्य भावना को जीवन्त कर रहा है। निरंकारी मिशन न केवल प्रेम, शांति और समरसता का पावन संदेश देता है, बल्कि सत्संग, सेवा और विशाल संत समागमों के माध्यम से उसे व्यवहार में उतारता भी है।

यह जानकारी देते हुए स्थानीय मीडिया सहायक उदय नारायण जायसवाल ने आगे कहा कि हर वर्ष की भांति, इस वर्ष भी वार्षिक निरंकारी संत समागम की सेवाओं की शुरूआत एक अत्यंत भावपूर्ण क्षण के साथ हुई, जब सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी ने अपने पावन कर-कमलों से सेवा स्थल का उद्घाटन किया। यह दृश्य न केवल एक परंपरा का निर्वहन था, बल्कि सेवा, श्रद्धा और मानवता के प्रति गहरी आस्था का जीवंत प्रतिबिंब बना। इस शुभ अवसर पर मिशन की कार्यकारिणी समिति, केंद्रीय सेवादल अधिकारीगण तथा हजारों श्रद्धालु, सेवा-भाव से ओतप्रोत होकर उपस्थित रहे।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी का हार्दिक अभिनन्दन संत निरंकारी मण्डल की प्रधान आदरणीय राजकुमारी एवं संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय जोगिन्दर सुखीजा ने पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए शुभ आशीषों की कामना करी। समागम सेवा के शुभारम्भ पर हजारों की संख्यां में उपस्थित दर्शनाभिलाषी श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने फरमाया कि आज समागम सेवा के पावन अवसर पर आकर अत्यंत खुशी हो रही है। हर एक के मन में जो उत्साह है उसकी सुंदर झलक अनुभव हो रही है। निसंदेह सत्संग सेवा करते हुए हर मन भक्तिमय हो रहा है। सभी में इस परमात्मा का ही रूप देखना है, किसी प्रकार का अभिमान न हो सबका सम्मान करते हुए सेवा को अपनाना है। निरंकार का सुमिरण करते हुए इस परमात्मा से जुड़े रहना है।

समागम केवल समूह रूप में एकत्रित होने का नाम नही यह तो सेवा का प्रबल भाव है। हमें अपने अंतर्मन में झांककर, आत्म मंथन करते हुए यह देखना है कि हमारा जीवन वास्तविक रूप में किस दिशा मे जा रहा है। परमात्मा अंदर भी है और बाहर भी है। हमें अपने अंदर किसी प्रकार की दीवार नहीं बनानी अपितु अपने अंतर्मन में झांककर मन में व्याप्त कमियों का सुधार करना है। लगभग 600 एकड़ में फैला यह समागम स्थल सेवा, श्रद्धा और मानवता का प्रतीक है। यहाँ लाखों भक्तों के निवास, भोजन, स्वास्थ्य, आवागमन और सुरक्षा जैसी सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण श्रद्धा और निःस्वार्थ भाव से सम्पन्न की जाती है। देश-विदेश से आए संतजन, सेवा में रत महात्मा और हर वर्ग के श्रद्धालु इस महा उत्सव में सम्मिलित होकर एकत्व, समर्पण और आत्मिक आनंद का अनुभव करते हैं।

इस वर्ष समागम का शीर्षक ह्यआत्म मंथनह्ल है जो हमें अपने भीतर झाँकने, विचारों और कर्मों को आत्मज्ञान से शुद्ध करने की प्रेरणा देता है। यह यात्रा सतगुरु द्वारा प्रदत्त ब्रह्मज्ञान से आरंभ होती है, जो आत्मिक शांति, आनंद और मोक्ष का द्वार खोलती है। मानवता का यह दिव्य उत्सव न केवल मिशन के अनुयायियों के लिए अपितु हर धर्म, जाति, भाषा और देश के मानव प्रेमियों के लिए है जो खुले हृदय से सभी संतों का स्वागत करता है। यह वह भूमि है जहाँ इंसानियत, आध्यात्मिकता और सेवा भाव का अनुपम संगम दृश्यमान होता है। एक ऐसी अलौकिक अनुभूति जो शब्दों से परे है।

प्रधानमंत्री सेवा पखवाड़ा अंतर्गत नमो नेत्र संजीवनी अभियान का भव्य आयोजन: रीता सिंह

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे देशभर में आयोजित प्रधानमंत्री सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत ₹नमो नेत्र संजीवनी अभियान का आयोजन दिंडोशी विधानसभा स्थित तानाजी नगर, सेंट फ्रांसिस स्कूल में भव्य रूप से संपन्न हुआ। यह आयोजन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन, मुंबई भाजपा अध्यक्ष एवं आमदार अमित साटम के नेतृत्व, तथा आमदार राजहंस सिंह के सक्रिय मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस अभियान की मुख्य विशेषताओं में प्रत्येक वार्ड में 1,380 निःशुल्क चश्मों का वितरण, 200 से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए कूपन प्रदान किए गए, 128 लोगों ने रक्तदान कर जनसेवा में सहभागिता निभाई, जनता को मुफ़्त दवाइयाँ, मल्टीविटामिन्स, विटामिन सी, बी, और आयरन की गोलियाँ उपलब्ध कराई गई। भारी बारिश के बावजूद स्थानीय नागरिकों का उत्साहपूर्ण एवं सक्रिय सहभाग इस अभियान की सफलता का प्रमाण रहा। लोगों ने न केवल स्वास्थ्य लाभ लिया, बल्कि भाजपा की सेवा भावना को भी सराहा। इस अवसर पर बोलते हुए रीता सिंह ने कहा कि ₹जनता की सेवा ही भाजपा का संकल्प है, और प्रधानमंत्री सेवा पखवाड़ा इसका जीवंत उदाहरण है। इस अभियान ने एक बार फिर साबित किया कि भाजपा सिर्फ.राजनीति नहीं, बल्कि जनसेवा को अपना कर्तव्य मानती है।

पांचूराम जायसवाल बने वार्ड 56 के शिवसेना शाखा संगठन प्रभारी

मुंबई (महाराष्ट्र)। हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के आशीर्वाद से शिवसेना के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेशानुसार और शिवसेना के प्रवक्ता संजय निरुपम के सहयोग से गोरेगांव विधानसभा के वार्ड 56 के शिवसेना शाखा संगठन पद पर पांचूराम जायसवाल को नियुक्त किया गया है। पांचूराम जायसवाल की नियुक्ति पर वार्ड 56 के स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है। पांचूराम जायसवाल ने कहा कि वार्ड में सभी समाज को लेकर निस्वार्थ भाव लोगों की सेवा कार्य करेंगे। वहीं पांचूराम जायसवाल की नियुक्ति पर शिवसेना नेता अंजय श्रीवास्तव, गोरेगांव विभाग प्रमुख स्वप्निल टेम्बवलकर, महिला विभाग प्रमुख लोचना ताई चव्हाण, शाखा प्रमुख योगेश शिंदे, महिला शाखा अध्यक्ष अनिता तलवार, उप शाखा प्रमुख रामवृक्ष यादव, उमाशंकर यादव, नंद किशोर यादव, केशव शर्मा, वारिश अली खान, सैयद साहेब आलम, गुलजार बेगम, रामू सुरेश गुप्ता, राजेश मौर्या, दिनेश मिश्रा, शोमनाथ जायसवाल, माया गुप्ता, दीनानाथ कलवार, वेंकटेश दागेटी, रामकृष्ण ताड़ी, अजय बिंद, अनिल यादव, प्रकाश पाटिल, ओम प्रकाश यादव, उप शाखा प्रमुख बांकेलाल यादव, कपिल शर्मा, सुधाकर यादव, रामजनम यादव, श्रीधर मुनेश्वर, सुनील ठाकुर सहित स्थानीय लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी।

स्नेहा दुबे ने अय्यप्पा मंदिर में ओणम महोत्सव में की भागीदारी

वसई। वसई पश्चिम के स्टेला स्थित अय्यप्पा मंदिर में इस वर्ष का ओणम महोत्सव 2025 अत्यंत भव्यता और उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष उत्तम कुमार और प्रतीक्षा फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पारंपरिक व्यंजनों और सामाजिक समरसता के संदेश ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और ओणम की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि, ₹ओणम केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह एकता, परंपरा और भाईचारे का प्रतीक है, जो हमें विविधता में एकता की सच्ची भावना सिखाता है। कार्यक्रम में भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश केरल प्रकोष्ठ के संयोजक एवं प्रतीक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष चंद्रशेखर धुरी, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महामंत्री बिजेंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ओणम महोत्सव में लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लिया और फूलों की रंगोली 'पुक्कलम', पारंपरिक नृत्य, गीत-संगीत एवं सदियों पुरानी सांस्कृतिक विरासत को सजीव किया। यह आयोजन स्थानीय समुदाय को एकजुट करने और सामाजिक समरसता को प्रोत्साहित करने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

पूजा में सुचारू विद्युत सप्लाई के लिए ई ई ई ने सहयोग करने के लिए किया आग्रह

-वकील प्रसाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज के विद्युत कार्यपालक अभियंता प्रभात सिंह ने विद्युत आपूर्ति प्रमंडल महाराजगंज अंतर्गत आगामी दुर्गा पूजा दीपावली एवं छठ पर्व में सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति बहाल रखने एवं सुरक्षा की दृष्टिकोण से कंट्रोल रूम के नंबर जारी किए गए है। उपभोक्ता विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायत यथा फ्यूज उड़ने, विद्युत आपूर्ति बाधित होने, कहीं स्पार्क होने, तार टूटने जैसी सूचना देने के लिए कुछ नंबरों को सार्वजनिक किया है। कहा है कि दिए गए नंबर पर कॉल कर या व्हाट्सएप के माध्यम से सूचना दे सकते हैं। यह नंबर 24*7 कार्यरत रहेगा। विद्युत कार्यपालक अभियंता महाराजगंज श्री प्रभात सिंह के द्वारा पर्व त्यौहार के दिनों में सुरक्षित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने हेतु सहायक विद्युत अभियंताओं एवं कनीय विद्युत अभियंताओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं।

मूल नक्षत्र में खुला माता का पट्ट

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शहर समेत क्षेत्र भर में 38 स्थानों पर मां दुर्गा की पूजा हो रही है। भीड़-भाड़ को शांति बनाए रखने के लिए सभी दुर्गा पंडालों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है। विद्वान पंडितों द्वारा माता का पट्ट खोलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पट्ट खुलने के साथ माता के दर्शन के लिए पूजा पंडालों में भीड़-भाड़ देखा गया। माता रानी का दर्शन-पूजन करने के लिए श्रद्धालु भीड़-भाड़ में उत्साहित देखे गए। ज्योति शिरोमणि धनंजय दुबे ने बताया कि माताजी हाथी (गज) पर सवार होकर आईं हैं। यह सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा और कृषि उन्नति का शुभ संकेत माना जाता है। देवी पुराण के अनुसार, नवरात्रि की शुरुआत जिस वार को होती है, उसी के आधार पर माता रानी की सवारी तय होती है। सोमवार को मां हाथी पर आती है। हाथी पर मां दुर्गा का आगमन ऐश्वर्य, शांति और समृद्धि का प्रतीक है।

टोरेंट पावर की मनमानी के खिलाफ अमोल धनराज केंद्रे ने किया विरोध प्रदर्शन का ऐलान

दिवा, ठाणे (उत्तरशक्ति)। दिवा शहर की आम जनता पहले से ही महंगाई की मार झेल रही है। पंद्रह से बीस हजार रुपये की मासिक आय में दो वक्त का भोजन, बच्चों की पढ़ाई, और घर की किस्तें भरना ही मुश्किल हो गया है। ऐसे में टोरेंट पावर द्वारा बिजली दरों में मनमानी बढ़ोतरी और कठोर वसूली कार्रवाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। धडाकेबाज युवा प्रतिष्ठान महाराष्ट्र राज्य के संस्थापक अध्यक्ष अमोल धनराज केंद्रे और सचिव सौ. अश्विनी अमोल केंद्रे ने टोरेंट पावर की इस मनमानी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि अगर टोरेंट पावर के खिलाफ शुरूआत में ही सख्त विरोध हुआ होता, तो आज जनता को यह दिन नहीं देखना पड़ता। अमोल केंद्रे ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दलों ने अपने स्वार्थ के लिए टोरेंट पावर को लाकर जनता के साथ अन्याय किया है। जब आम जनता बिल नहीं चुका पाती, तो टोरेंट के कर्मचारी बिना किसी पूर्व सूचना के घर की बिजली काट देते हैं, चाहे घर में कोई हो या नहीं। ऊपर से दुर्व्यवहार भी करते हैं और बिजली दोबारा जोड़ने के लिए 210 का शुल्क वसूला जाता है। अब टोरेंट द्वारा प्रति यूनिट 1.50 की वृद्धि की जानकारी सामने आई है, जिससे जनता में भारी आक्रोश है। अमोल केंद्रे ने मांग की है कि अगर उपभोक्ता का 3 महीने से अधिक का बिल बकाया है, तभी बिजली काटी जाए। बिल भरने के बाद कनेक्शन जोड़ने का कोई अतिरिक्त शुल्क न लिया जाए।1.50 प्रति यूनिट की बढ़ोत्तरी को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। उन्होंने टोरेंट पावर को 15 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर मांगें नहीं मानी गईं, तो टोरेंट पावर के कार्यालय के सामने जोरदार जनआंदोलन किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण ज़िम्मेदारी टोरेंट पावर प्रबंधन और अधिकारियों की होगी। इस विरोध के दौरान धडाकेबाज युवा प्रतिष्ठान के सदस्य अनिल मौर्या, राधा तोरणे, सरला गायकर, रेणुका कांबळे, अश्विनी माने, रंजना घोडेराव, लक्ष्मी खंडागळे, शीला बहिरुने, और ऑल इंडिया पँथर सेना दिवा शहर अध्यक्ष प्रफुल्ल तांबे सहित कई स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

वसई एवरशाइन सिटी में बारिश के बीच मनाया गरबा उत्सव

वसई (उत्तरशक्ति)। एवरशाइन सिटीः हडसन को-ऑपरेटिव सोसायटी, एवरशाइन सिटी ईस्ट में रविवार की देर शाम एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब तेज बारिश के बावजूद माता रानी के गरबा उत्सव में भक्तों का उत्साह चरम पर था। मयूर सोनी के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य आयोजन में भारी वर्षा भी श्रद्धालुओं के जोश को कम नहीं कर सकी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी ने भीगते हुए गरबे की ताल पर माता जी की आराधना की। भक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में जब बारिश की बूंदें और गरबे की तालें एक साथ गूंज उठीं, तो पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। स्थानीय नागरिकों ने भी इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा, ₹बरसात हो या आंधी, जब बात माता रानी की भक्ति की हो, तो वसई का कोई भी भक्त पीछे नहीं रहता। यह उत्सव बारिश में और भी खास लग रहा था। मयूर सोनी और आयोजन समिति ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह आयोजन सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था और एकता का प्रतीक है।

दाजी के 70वें जन्मदिवस पर हार्टफुलनेस मुख्यालय में लगाया गया दस लाखवाँ पौधा

हैदराबाद। हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक और श्री रामचन्द्र मिशन के अध्यक्ष पूज्य दाजी के 70वें जन्मदिवस के अवसर पर हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र में स्थित हार्टफुलनेस मुख्यालय कान्हा शांति वनम् में भव्य समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर भारत और दुनिया भर से आए 35,000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ हजारों लोगों ने ऑनलाइन जुड़कर सामूहिक ध्यान में भाग लिया। कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और पूज्य दाजी भी मंच पर विराजमान थे। मुख्य अतिथि और पूर्व राष्ट्रपति ने मिलकर पूज्य दाजी द्वारा लिखित विशेष प्रकाशनों का विमोचन किया। इसी क्रम में नियति का निर्माण का नया हार्डकवर संस्करण भी पुनः लॉन्च किया गया। साथ ही पूज्य दाजी की नवीनतम कृतियों की प्री-बुकिंग शुरू हुई, जिनमें शामिल हैं। इसके बाद पूज्य दाजी ने केंद्रीय मंत्री और पूर्व राष्ट्रपति का सम्मान भी किया।श्री यादव केंद्रीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन; श्रम एवं रोजगार ने कहाः दाजी ने एक बहुत बड़ी क्रांति ला दी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक न्याय, समानता और संसाधनों की उपलब्धता जितनी आवश्यक है, उतना ही महत्वपूर्ण है कि यह संसार जैव-विविधता के साथ भी जीवित रहे। हमें एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र बनाए रखना होगा, जो दाजी की गहन दृष्टि के अंतर्गत साकार हो रहा है। हर कोई सुख चाहता है, लेकिन यदि केवल भौतिक उपलब्धियों से ही सुख मिलता, तो विकसित देशों में अवसाद जैसी समस्याएँ न होतीं। रामनाथ कोविंद भारत के पूर्व राष्ट्रपति ने अपने विचार साझा करते हुए कहाः चारीजी और दाजी से मेरा जुड़ाव मेरे लिए एक दिव्य आशीर्वाद है। एक जीवित गुरु का महत्व यही है कि वे साधक और परमात्मा के बीच सेतु का कार्य करते हैं। उनके मार्गदर्शन से ही आंतरिक रूपांतरण होता है, और हमारे संसार व पर्यावरण के साथ संबंध भी बदलते हैं। हमें भी चाहिए कि हम प्रकृति के सामने स्वयं को ईश्वर के उपकरण की तरह समर्पित करें, जीवित गुरु की छत्रछाया में। दाजी का जन्मोत्सव मनाना दरअसल भारत की ज्ञान-परंपरा, करुणा और मानवता की सेवा की जीवित आत्मा का उत्सव है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी में आमूलचूल परिवर्तन: डॉ. हेमंत सांवरा

पालघर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में ऐतिहासिक सुधार करते हुए आवश्यक वस्तुओं पर कर की दरों में भारी कटौती की गई है। लगभग 90% आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी दर 18% से घटाकर मात्र 5% कर दी गई है, जिससे आम नागरिकों को सीधी राहत मिली है। इसी संदर्भ में पालघर नगर परिषद क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी की ओर से एक विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भाजपा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. हेमंत सांवरा ने व्यापारियों और उपभोक्ताओं से सीधे संवाद किया। डॉ. सांवरा ने स्थानीय बाजारों और गली-मोहल्लों में जाकर व्यापारियों की प्रतिक्रियाएं जानीं। व्यापार संगठनों और दुकानदारों ने सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया और इसे व्यापार के लिए सकारात्मक दिशा में एक बड़ा निर्णय बताया। इस कार्यक्रम में भाजपा पालघर शहर अध्यक्ष भाविन कंसारा, पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक अंभूरे, महिला मोर्चा की चंदाताई दुबे, एवं अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। डॉ. हेमंत सांवरा ने कहा कि ₹जीएसटी दरों में कटौती न केवल एक आर्थिक सुधार है, बल्कि यह आम आदमी की जेब पर राहत देने वाला एक ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल उपभोक्ता लाभान्वित होंगे, बल्कि व्यापार क्षेत्र में भी नई ऊर्जा का संचार होगा। प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व दूरदर्शी और निर्णायक है, जो देश को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में अग्रसर है।₹ उन्होंने आगे यह भी कहा कि इस निर्णय से व्यापार में सुगमता आएगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और मध्यम एवं लघु उद्योगों को बल मिलेगा भाजपा कार्यकताओं ने इस पहल को जनता के बीच पहुंचाने का संकल्प लिया और शहर में जनसंपर्क अभियान की शुरूआत की।

सेवा पखवाड़ा में रक्तदान शिविर और नेत्र अभियान का आयोजन

मुंबई। सामाजिक संस्था रीता सिंह फाउंडेशन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा के तहत रविवार को देर शाम दिंडोशी (पूर्व) के तानाजी नगर स्थित सेंट फ्रांसिस स्कूल परिसर में ह्वरक्तदान शिविर एवं नमो नेत्र संजीवनी अभियानह्व आयोजित किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर कार्यक्रम का लाभ उठाया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अनुशंसा तथा विधायक राजहंस सिंह व भाजपा मुंबई के अध्यक्ष अमित साटम के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 128 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में 1,380 लोगों को निःशुल्क चश्मों का वितरण भी किया गया और 200 से अधिक लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए कूपन बांटे गए। इसके अलावा जरूरतमंदों को मुफ्त में दवाइयाँ जैसे मल्टीविटामिन, विटामिन सीबी, और आयरन की गोलियाँ भी वितरित की गईं। शिविर में ब्रह्मकुमारीज हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने सेवाएं दीं। रीता सिंह फाउंडेशन की अध्यक्ष व कार्यक्रम आयोजक रीता नीलेश सिंह ने बताया कि मूसलाधार बारिश के बावजूद भी बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में भाग लेकर अभियान को सफल बनाया। उन्होंने जनता के उत्साह और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में रीता सिंह फाउंडेशन के कार्यकर्ता, पदाधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण हेतु जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

देवकली, गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजीपुर अंतर्गत विकास खण्ड देवकली में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और शारीरिक संवर्धन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत ग्राम पंचायत अतरसुआ, सोनहुलिया एवं महुवारी में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में युवा कल्याण विभाग की ओर से महिलाओं को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 1076 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराया गया, जिससे वे अधिक जागरूक एवं आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, बीओ पीआरडी, ग्राम पंचायत अधिकारी देवकली सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से अपने विचार साझा किए तथा महिलाओं को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और ऐसे जागरूकता अभियानों की निरंतरता की आवश्यकता पर बल दिया।

कूर्मि क्षत्रिय महासभा द्वारा पुरोहित प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

पालघर, (उत्तरशक्ति)। कूर्मि क्षत्रिय महासभा (कोंकण विभाग) द्वारा ग्रामीण युवाओं को धार्मिक शिक्षाओं से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल के तहत 24 से 30 अक्टूबर 2025 तक सात दिवसीय पुरोहित (पुजारी) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर ग्लोबल स्कूल, मेट पेट्रोल पंप के सामने, कुडूस अंबाड़ी रोड, तालुका वाड़ा, जिला पालघर में आयोजित होगा। इस आयोजन की जानकारी देते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटील एवं महासचिव जयेश शेलार पाटील ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक आयोजनों हेतु पुरोहितों की आवश्यकता तो होती है, परंतु प्रशिक्षित पुरोहितों की उपलब्धता सीमित है। इसी को ध्यान में रखते हुए युवाओं को वैदिक विधियों एवं धार्मिक कर्मकांडों का प्रशिक्षण देने हेतु इस शिविर की योजना बनाई गई है। भविष्य में ऐसे प्रशिक्षण शिविर राज्य के अन्य जिलों में भी आयोजित किए जाएंगे। शिविर में प्रशिक्षण देने के लिए देश के ख्यातिनाम विद्वानों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें मध्यप्रदेश के डॉ. रज्जन प्रसाद पटेल (पीएचडी वैदिक वास्तु विज्ञान एवं ज्योतिषाचार्य) एवं वाराणसी के डॉ. हेमंत कौशिक (पंचकर्म एवं वैदिक विशेषज्ञ) शामिल हैं। ये विद्वान सात दिनों तक प्रतिभागियों को धार्मिक ज्ञान एवं प्रायोगिक विधियों का प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण शिविर के दौरान भोजन एवं आवास की व्यवस्था निःशुल्क कूर्मि क्षत्रिय महासभा (कोंकण विभाग) द्वारा की जाएगी। शिविर के समापन समारोह में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एल.पी. पटेल, प्रदेश संरक्षक डॉ. बाबूलाल सिंह एवं टाकेश्वर मठाधिपति योगी फुलनाथ महाराज की गरिमामयी उपस्थिति प्रस्तावित है। इस प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के इच्छुक कूर्मि / कुणबी / पटेल समुदाय के युवक प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटील (मो. 77450 48505) अथवा महासचिव जयेश शेलार पाटील (मो. 76202 56750) से संपर्क कर सकते हैं।

श्री कृष्णा ग्रुप का ठाणे में विस्तार - मोरेश्वर रियल्टी के साथ साझेदारी की

ठाणे। चेंबूर में उत्कृष्ट कार्य की अपनी परंपरा और खार में हाल की प्रोजेक्ट की सफलता के बाद, श्री कृष्णा ग्रुप (एसकेजी) ठाणे के तेजी से बढ़ते रियल एस्टेट बाजार में प्रवेश कर रहा है। इसके लिए उन्होंने ठाणे की प्रतिष्ठित मोरेश्वर रियल्टी के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस विस्तार के माध्यम से एसकेजी का उद्देश्य है कि मुंबई के तेजी से विकसित हो रहे उपनगर ठाणे में घर खरीदने वालों को उच्च गुणवत्ता और प्रीमियम घर समय पर उपलब्ध कराए जाएँ। बीस साल से अधिक अनुभव के साथ, श्री कृष्णा ग्रुप ने चेंबूर में उच्च गुणवत्ता का निर्माण, अच्छे डिजाइन और समय पर घर देने के कारण एक भरोसेमंद रियल एस्टेट डेवलपर के रूप में अपनी पहचान बनाई है। खार में प्रोजेक्ट की सफलता के बाद, अब श्री कृष्णा ग्रुप ने अपना ध्यान ठाणे की ओर केंद्रित किया है, जहाँ तेजी से विकास हो रहा है, कनेक्टिविटी बेहतर हुई है और लग्जरी रेसिडेंशियल घरों की मांग बढ़ रही है।

श्री कृष्णा ग्रुपने ठाणे की प्रतिष्ठित कंपनी मोरेश्वर रियल्टी के साथ साझेदारी करके अपना पहला लक्जरी रेसिडेंशियल प्रोजेक्ट मिलकर तैयार करने का निर्णय लिया है। इस साझेदारी में एसकेजी का समय पर सपनों के घर देने का अनुभव और मोरेश्वर रियल्टी का ठाणे में स्थानीय ज्ञान और बाजार की जरूरतों की समझ शामिल है। इसके माध्यम से दोनों कंपनियों का लक्ष्य वास्तु डिजाइन, सुविधाएं और पर्यावरण अनुकूल निर्माण में नए मानक स्थापित करना है।

श्री कृष्णा ग्रुप के निदेशक सुंदीप जगसिया ने कहा, ठाणे में मोरेश्वर रियल्टी के साथ साझेदारी करके हमें बहुत खुशी हो रही है। यह हमारा ठाणे में अगला बड़ा कदम है। यह विस्तार केवल नए क्षेत्र तक पहुंच बनाने के लिए नहीं है, बल्कि तेजी से बदलते बाजार में गुणवत्ता, ग्राहक संतोष और समय पर घर देने के उच्च मानक स्थापित करने के बारे में है।

इस्माईल डेन्टल हास्पिटल
दांत का अस्पताल
New Year 2025 Offer
निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट
डा. शाहनवाज़ इस्माईल
डॉ. सहला मुसर्रत
Call: 9044644776, 9580978774
क्लीनिक-1
क्लीनिक-2
जौनपुर

नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ہاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
NOBLE HOSPITAL AND RESEARCH CENTRE
डा. शारिक नदीम
M.B.B.S., MD
FICC (Cardiology)
फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार
M.B.B.S., M.I.M.A
जनरल फिजिशियन
डा० इरफान अहमद
B.U.M.S.CCH (Indore)
N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
◆ शुगर की जाँच ◆ फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
◆ HbA1c की जाँच ◆ यूरिक एसिड
◆ हड्डी की जाँच (BMD) ◆ कोलेस्ट्राल की जाँच
◆ नस की जाँच (Neuropathy) ◆ थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001

दिल स्वस्थ तो जीवन सुरक्षित कृष्णा हार्ट केयर की 21वीं हृदय जागरूकता रैली

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व हृदय दिवस 2025 के अवसर पर कृष्णा हार्ट केयर आईसीयू एंड ट्रॉमा सेंटर एवं कृष्णांजलि परिवार द्वारा लगातार 21वें वर्ष भी हृदय जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। यह रैली कृष्णा हार्ट केयर से प्रारंभ होकर ओलंदगंज ;चहारसू ,नया पुल होते हुए पुनः अस्पताल परिसर में सम्पन्न हुई। रैली के दौरान जनता को हृदय रोग से बचाव के लिए जीवनशैली में सुधार, नशामुक्ति और नियमित व्यायाम करने का संदेश दिया गया। मुख्य वक्ता डॉ. हरेंद्र देव सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि हृदय रोग से बचाव के लिए हर व्यक्ति को कुछ जरूरी बातों का पालन करना चाहिए,नशे से पूरी तरह दूर रहें (शराब, तंबाकू, गुटखा आदि।तेल और वसा युक्त भोजन कम करें, तथा हरी सब्जियां और फल अधिक खाएं। नियमित व्यायाम जैसे पैदल चलना, योग या साइक्लिंग को दिनचर्या में शामिल करें। तनाव कम करें और सकारात्मक जीवनशैली अपनाएं।

नियमित रूप से ब्लड प्रेशर, शुगर और कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। 7छह घंटे की नींद लें और पर्याप्त पानी पिएं। रैली उपरांत आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ डॉ. मधु शारदा ने किया। कार्यक्रम का संचालन देवेश जी ने किया तथा संगोष्ठी का समापन डॉ. रॉबिन सिंह ने किया। पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा डॉ. कृष्ण देव सिंह ने तैयार की थी, जिसकी वजह से आयोजन सुव्यवस्थित और सफल रहा। इस मौके पर डॉ. विकास सिंह, मनोज सिंह, देवेश गुप्ता, बलवन्त सिंह, मैनेजर गगनेन्द्र सिंह सहित कृष्णांजलि परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। लगातार 21 वर्षों से चली आ रही यह परंपरा समाज को यही प्रेरणा देती है कि दिल स्वस्थ तो जीवन सुरक्षित।

उत्तर भारतीय संघ ने मानवीय कल्याण के लिए खोला पिटारा

महाअन्नदान से लेकर बाढ़ प्रभावितों की करेगा मदद

मुंबई। उत्तर भारतीय संघ की 75वीं वार्षिक साधारण सभा में अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने महाअन्नदान कार्यक्रम शुरू करने और महाराष्ट्र के बाढ़ प्रभावितों की मदद की घोषणा की। सभा में उत्तर भारतीय समाज की एकजुटता और महाराष्ट्र-उत्तर प्रदेश के रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाने पर जोर दिया गया। रविवार को वार्षिक साधारण सभा का आयोजन उत्तर भारतीय संघ भवन बांद्रा (पूर्व) के बाबू सत्यनारायण सिंह सभागृह में किया गया। वार्षिक साधारण सभा की अध्यक्षता करते हुए संतोष आरएन सिंह ने कहा कि भारी बारिश के बावजूद यहां बड़ी संख्या में संघ के सदस्य एकत्रित हुए हैं। 2 से 2 हजार, 2 हजार से 20 हजार, 20 हजार से 2 लाख लोग एकत्रित हुए तो समाज में यह संदेश जाएगा कि पूरा उत्तर भारतीय समाज एकजुट है। उन्होंने उपस्थित सदस्यों से अपना उत्तर भारतीय संघ का सदस्यता कार्ड प्रदर्शित करने को कहा, ताकि उन लोगों के मुंह बंद हो जाए जो कहते हैं कि कार्यक्रम में बाहर के लोग शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने हमेशा उत्तर भारतीयों का साथ दिया है। इसी महाराष्ट्र में उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष बाबू आरएन सिंह को विधान परिषद भेजा गया। सोशल मीडिया के तथाकथित दो-चार क्रांतिकारी समाज में वैमनस्य पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, हमें उनके बहकावे में नहीं आना चाहिए। महाराष्ट्र के लोग बहुत अच्छे हैं। संतोष आरएन सिंह ने उत्तर भारतीय समाज से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर भड़काऊ और उत्तेजक मैसेज को शेयर ना करें।

इस दौरान संतोष आरएन सिंह ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि उत्तर भारतीय संघ के ट्रस्टियों को संघ भवन का हाल मुफ्त में दिया जाएगा और मात्र 50 रुपए में उनके रिश्तेदार गेस्ट हाउस में रह सकेंगे। संघ के सभी सदस्यों को मात्र 1 रुपए में उत्तर प्रदेश में बना बाबू आरएन सिंह सभागृह भी जल्द उपलब्ध होगा। संघ की तरफ से पहली बार महाअन्नदान कार्यक्रम शुरू किया जाएगा, साथ ही महाराष्ट्र के बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद की जाएगी। कार्यक्रम को वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. राधेश्याम तिवारी, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह, संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, युवा नेता अवनीश सिंह और पूर्व महामंत्री नंदलाल उपाध्याय ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व साधारण सभा की शुरूआत संघ के संस्थापक बाकिराम तिवारी और बाबू आरएन सिंह की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। महामंत्री देवेंद्र तिवारी ने संघ का वार्षिक वृत्तांत पढ़कर सुनाया, जबकि कोषाध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया। अंत में बैजनाथ आर मिश्रा ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में डॉ. किशोर सिंह, रामकुमार पाल, अशोक कुमार दुबे, ओम प्रकाश सिंह, चंद्रभान सिंह, श्रीनिवास तिवारी, अतिश सिंह, सुरेंद्र गिरी, विनोद कुमार मिश्रा, राजेश सिंह, संजू सिंह, गीता सिंह, मुकेश सिंह, प्रह्लाद पांडे, रामनयन शर्मा, शिवशरण तिवारी, रेणू मल्लाह, आदित्य दुबे, विजय सिंह, राजकुमार सिंह, विकास सिंह, विशाल सिंह और आदित्य सिंह सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण और समाज के लोग उपस्थित थे।

आचार संहिता लगने के पूर्व महिला वोटर को रिझाने में लगे सभी दल

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में चुनाव होने वाला है। आचार संहिता लगने के पूर्व से हीं चुनावी मंजर इन दिनों देखने को मिल रहा है। कहीं झंडा-बैनर हवा में फहराए रहे हैं, कहीं माइक से तेज आवाज में भाषण गूंज रहा है, तो कहीं नेताजी का काफिला निकल रहा है। लेकिन इस बार का सबसे बड़ा नजारा है-महिलाओं की मौजूदगी गांव-गांव से अधिक दिख रही है। कारण भी साफ है-हर पार्टी मंच से एक ही बात कह रही है कि महिलाओं के बैंक खाते में पैसा आयेगा। लिहाजा चुनावी सभाओं में महिलाओं की भीड़ अब रौनक का सबसे बड़ा कारण बन रही है। पहले जहां चुनाव में मुद्दों की भरमार होती थी, अब सबसे ज्यादा चर्चा योजनाओं, सम्मान राशि और रोजगार के वादों की है। महिला वोटरों को साधने में जुटे सभी दल गांव-गांव घूम रहे हैं। लोगों का कहना है कि इस बार महिला वोटर ही सबसे बड़ा पत्ता साबित हो सकती हैं। आधी आबादी अगर एकमुश्त किसी के पक्ष में खड़ी हो गयी, तो सत्ता का पलड़ा उसी ओर झुक जायेगा। यही वजह है कि हर दल ने गांव-गांव टोला मोहल्ला में अपने कार्यकर्ता उतार दिये हैं। कार्यकर्ता महिलाओं से नाम, आधार और खाता नंबर मांग कर फार्म भर रहे हैं। नजारा पूरी तरह बदल चुका है। पहले सभाओं में पुरुष ही हावी रहते थे, महिलाएं किनारे बैठ जाती थीं। अब महिलाएं सज-धज कर सबसे आगे की कतार में बैठ रही है। कोई बच्चा गोदी में लिये है, कोई पड़ोसिन संग बतियाते हुए भाषण सुन रही है। रैली के बाद चौपालों पर भी चर्चा का यही आलम है-किस दल का वादा ज्यादा पक्का है? अभी के माहौल में जैसे एक प्रतियोगिता शुरू हो गयी है कि कौन महिलाओं का दिल जीत लेगा। इस बार का चुनाव सिर्फ नारों और पोस्टरों का नहीं, बल्कि महिलाओं के भरोसे और उम्मीदों का भी है।

जिला स्वास्थ्य समिति तथा संचारी, दस्तक अभियान की द्वितीय अंतर्विभागीय स्समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति तथा संचारी, दस्तक अभियान की द्वितीय अंतर्विभागीय समन्वय/समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पतालों में मरीजो को चादर और तकिया उपलब्ध कराया जाए,तथा नियमित रूप से चादर बदले भी जाए। मिशन शक्ति के अंतर्गत नवजात बच्चों के जन्मदिवस मनाए जाएं, सेवा पखवाड़ा के तहत उन्होंने मेडिकल वेस्ट के डिस्पोजल, फॉगिंग इत्यादि के संदर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि मेडिकल वेस्ट का डिस्पोजल उचित ढंग से किया जाए। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तथा दस्तक अभियान 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 के संदर्भ में समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्य सचिव द्वारा संचारी दस्तक अभियान पर जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करें। समस्त नगर पालिका, नगर पंचायत को निर्देशित किया कि कार्ययोजना के अनुसार समस्त वार्डों में नियमित रूप से साफ-सफाई, फॉगिंग, एंटीलार्वल स्प्रे, जल निकासी, ब्रीडिंग सोर्स रिडक्शन का कार्य कराएं ताकि डेंगू एवं अन्य संक्रामक रोगों पर नियंत्रण स्थापित हो सके। इसी तरह पंचायती राज विभाग एवं स्वच्छ भारत मिशन को भी निर्देशित किया कि ग्राम स्तर पर नियमित साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, जल निकासी, सोर्स रिडक्शन, कीटनाशी रसायनों का स्प्रे, फॉगिंग, खुले में शौच न करने, शौचालय का उपयोग हेतु लोगों को जागरूक कराए। स्वास्थ्य विभाग को फीवर सर्वे, टेस्टिंग सैंपलिंग, जांच उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने, कुष्ठ, टी बी, मलेरिया, डेंगू आदि लक्षण युक्त व्यक्तियों की सूची तैयार कर तत्काल जांच कराने के निर्देश दिए। आईसीडीएस विभाग को कुपोषित बच्चों को चिन्हित करने, पोषाहार उपलब्ध कराने, अति कुपोषित बच्चों को आवश्यकतानुसार पोषण पुनर्वास केंद्र संदर्भित करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को कृंतक नियंत्रण के बारे में लोगों को जागरूक करने, पशुपालन विभाग को पशु जन्य बीमारियों के प्रति जागरूक करने, शूकर पालकों को अन्य व्यवसाय अपनाए जाने, शूकर बाड़ों को आबादी से बाहर कराए जाने, सुकरों की जांच कराने के निर्देश दिए, शिक्षा विभाग छात्र छात्राओं को मच्छरों से बचने, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने, वेक्टर जनित, जल जनित संचारी रोगों के प्रति जागरूक करने, शुद्ध पेय जल का उपयोग करने, साबुन से हाथ धोने आदि के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु गोष्ठी, रैली, चित्रकला प्रतियोगिता, शपथ आदि आयोजित कराए जाए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को ग्राम स्तर पर एंटीलार्वल रसायन उपलब्ध कराए जाने के भी निर्देश दिए जिससे ग्राम प्रधान, सफाई कर्मी के माध्यम से एंटीलार्वल स्प्रे कराया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० लक्ष्मी सिंह सहित संचारी अभियान संबंधित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी, प्रतिनिधि, समस्त अपर/उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

मीरा भायंदर नगर निगम ने अंतर्राष्ट्रीय सूचना अधिकार दिवस मनाया

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में आज राज्य सरकार और नगर निगम के अनुसार, मीरा भायंदर नगर निगम के मुख्यालय में आयुक्त और प्रशासक राधाबिनोद ए शर्मा, के मार्गदर्शन में, सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से अंतर्राष्ट्रीय सूचना अधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, विभाग के प्रमुख को सरकार द्वारा सूचना अधिनियम के अधिकार के तहत पढ़ा गया था। इसके अलावा, सरकार के लिए सूचना का महत्व अधिनियम -2 को सूचना के महत्व के लिए दिया गया था और इसके बारे में वर्तमान जानकारी के लिए पारदर्शी था। सूचना अधिनियम 1 का अधिकार देश भर में दिया गया है। कानून को 1/3/1 से लागू किया गया है और समय -समय पर सचेत कदमों के कारण सरकार अंतिम अवधि में राज्य में काफी उन्मुख हो गई है। 7 सितंबर का दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सूचना अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है। महाराष्ट्र में, सरकारी स्तर को सरकारी स्तर से व्यापक प्रसिद्धि और अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए लिया जा रहा है। इसलिए, सरकार ने हर साल 7 सितंबर को 'सूचना दिवस' के रूप में मनाने का फैसला किया है। यह दिन हर साल राज्य स्तर पर सूचना अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सामान्य प्रशासन और कर्मचारियों की उपस्थिति में अंतर्राष्ट्रीय सूचना अधिकार दिवस मनाया गया।

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत 'स्वच्छ शर जोड़ी अभियान के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह संपन्न

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर नगर निगम के मुख्यालय में महाराष्ट्र के कुल 5 शहरों, अर्थात बीड नगर परिषद, धमार्बाद नगर परिषद, तलासरी नगर पंचायत, मोखदा नगर परिषद, देगलुर नगर परिषद के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें इन पांचों शहरों को अगले 100 दिनों के लिए मीरा भायंदर नगर निगम द्वारा मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न उपायों और योजनाओं के माध्यम से इन 5 शहरों में स्वच्छता की गुणवत्ता में सुधार करना है। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर, राज्य मंत्री तोखन साहू और मंत्रालय के सचिव की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत, मीरा भयंदर नगर निगम को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में 3 से 10 लाख जनसंख्या समूह में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया, 'स्वच्छ शर जोड़ी' अभियान के अगले चरण का आज अनावरण किया गया।इस में मीरा भायंदर नगर निगम को इन 5 शहरों का मार्गदर्शन करने का सम्मान मिला है। साथ ही, महाराष्ट्र के 5 शहरों, अर्थात बीड नगर परिषद, धमार्बाद नगर परिषद, तलासरी नगर पंचायत, मोखदा नगर परिषद, देगलुर नगर परिषद के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। जिसमें आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण साइट विजिट के दौरान अच्छा प्रदर्शन करने वाले शहरों का मीरा भायंदर नगर निगम के साथ मूल्यांकन, साइट विजिट किया जाएगा। आज ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 200 शहरों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। जिसमें उक्त शहरों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मीरा-भायंदर महानगरपालिका की ओर से डॉ. संभाजी पानपट्टे अपर आयुक्त (प्रथम), योगेश गुणीजन, सहायक आयुक्त ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग और जितेंद्र कांबले, सहायक आयुक्त उपस्थित थे। साथ ही, तलासरी नगर पंचायत, बीड नगर परिषद और धर्माबाद नगर परिषद के मुख्य अधिकारी और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मानवाधिकार संरक्षण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया गया सत्कार

आजमगढ़। मानवाधिकार संरक्षण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी के आजमगढ़ आगमन पर आजमगढ़ शहर के पहलवान मूर्ति के पास कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया एवं परफेक्ट होटल थाना कोतवाली अंतर्गत जिला प्रभारी श्रीकृष्ण मुरारी सिंह एवं जिला अध्यक्ष राजेंद्र राय के नेतृत्व में कार्यकर्ता सम्मेलन व जन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन कर- के भव्य स्वागत एवं मानवाधिकार के बारे में आम जनमानस को बताया गया जिसमें कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय सचिव संतोष यादव,संरक्षक विजय शंकर मिश्रा, एवं महाराष्ट्र प्रदेश संरक्षक रामविलास पाठक एवं नीरज मिश्रा, जिला अध्यक्ष गोरखपुर व आजमगढ़ के मीडिया प्रभारी जिला महासचिव सहित तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

शक्ति और परंपरा का मिलन: श्याम मेटैलिक्स फाउंडेशन ने 'Shelter of Protection अभियान के साथ मनाया दुर्गा पूजा

मुंबई। एकीकृत धातु उत्पादक कंपनी श्याम मेटालिक्स, अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) शाखा, श्याम मेटैलिक्स फाउंडेशन के माध्यम से इस दुर्गा पूजा को परंपरा और करुणा के अनूठे मिश्रण के साथ मना रही है। अपने विशेष अभियान, Shelter of Protection के साथ, फाउंडेशन इस त्योहार की भावना को रीति-रिवाजों से आगे बढ़ाकर समाज को कुछ वापस देने का प्रयास कर रहा है, और यह सुनिश्चित कर रहा है कि माँ दुर्गा का आशीर्वाद उन परिवारों तक पहुँचे जिन्हें आश्रय और सुरक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है। गरिया, दानकुनी और बर्दवान में स्थापित तीन खूबसूरत डिजाइन वाले घरेलू शैली के पंडालों को सजाने वाली छत की चादरें वंचित परिवारों को दान की जाएँगी, जिससे यह उत्सव स्थायी देखभाल और सुरक्षा में बदल जाएगा। यह पूजा सुरक्षा और विश्वास का प्रतीक है, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर बेसहारा परिवार एक ऐसी छत के नीचे रहे जो मजबूत, विश्वसनीय और टिकाऊ हो। दुर्गा पूजा बंगाल के सबसे प्रिय सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जिसे माँ दुर्गा के घर वापसी के रूप में देखा जाता है, एक ऐसा समय जब दिल और घर खुशी, रोशनी और एकजुटता से भर जाते हैं। इस पहल के माध्यम से, श्याम मेटैलिक्स फाउंडेशन की रूफिंग शीट्स एक बड़े उद्देश्य के लिए देकर इसी भावना को आगे बढ़ा रहा है। यह त्योहारों के समाप्त होने के बाद भी परिवारों की सुरक्षा और समुदायों को मजबूती प्रदान करेगा। इस अभियान के साथ, श्याम मेटालिक्स न केवल आस्था और परंपरा का जश्न मनाता है, बल्कि समुदाय के लिए देखभाल और आशा का भी संचार करता है। इस पहल के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए, Mr. Nirmal Uday, COO, CRM Division of Shyam Metalics ने कहा दुर्गा पूजा सिर्फ.एक त्योहार नहीं है, यह करुणा, एकता और नवीनीकरण का प्रतीक है।

पूजा पंडाल बनाने को लेकर बच्चों की बात में झड़प, एक को लगा चाकू

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत माझी बरौली एँस एच में महाराजगंज ढाला के पास पूजा पंडाल बनाने के क्रम में बच्चों के बीच झगड़ा 28 सितंबर की देर संध्या हो गया था । जिसमें बीच बचाव करने गए पुरानी बाजार निवासी जमालुदीन का 22 वर्षीय पुत्र अकरम को उसी में मौका पाकर किसी ने अकरम पर चाकू से हमला कर दिया। परिजनों ने इलाज के लिए स्थानीय पीएचसी में ले गए जहां जख्मी का इलाज चल रहा है। समाचार प्रेषित तक थाने में प्राथमिकी दर्ज नहीं थी। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि आवेदन आने पर पुलिस कार्रवाई में लग जाएगी।

6 लाख शिक्षकों की समृद्धि के लिए शिक्षक नेता ने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज शिक्षक नेता सीपु आनंद ने बिहार के 6 लाख शिक्षकों की खुशहाली और सम्मान के लिए माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना कर एक दिवसीय उपवास व्रत रखा। उन्होंने कहा कि यह व्रत केवल व्यक्तिगत आस्था नहीं, बल्कि सम्पूर्ण शिक्षक समाज के अधिकार और मान-सम्मान के लिए समर्पित है। यह संकल्प तब तक जारी रहेगा, जब तक बिहार के सभी कोटि के शिक्षकों को उनका पूर्ण हक और सम्मान प्राप्त नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के अधिकारों की लड़ाई को वे अंतिम सांस तक संघर्ष, आराधना और सामूहिक एकजुटता के साथ आगे बढ़ाते रहेंगे। उन्होंने शिक्षकों से भी कहा कि इस पावन पर्व पर शिक्षा जगत के उत्थान और शिक्षक सम्मान की लड़ाई को मजबूत करने का संकल्प लें।

उपेन्द्र सिंह डिंकू हिंदू सुरक्षा सेवा संघ महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व निवासी समाजसेवी हिंदू वादी नेता उपेन्द्र सिंह डिंकू को उनके कार्य को देखते हुए धर्म सम्राट परम पूज्य हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के संरक्षक महंत राजूदास महाराज के आदेशअनुसार प्रदेश प्रभारी सुनील महाराज जी के नेतृत्व में उपेन्द्र सिंह डिंकू को महाराष्ट्र प्रदेश का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनके इस नियुक्ति से कार्यकत्ताओं में खुशी का महोल है। उपाध्यक्ष बनाए जाने पर लोगों ने उपेन्द्र सिंह डिंकू को हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। लोगों ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि वे हिंदूओं की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे और कार्य करते रहेंगे।

ज्ञान प्रकाश सिंह को जौनपुर गौरव सम्मान से सम्मानित करेगा समरस फाउंडेशन

जौनपुर। मुंबई की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन द्वारा प्रख्यात समाजसेवी तथा उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह को उनकी उत्कृष्ट सामाजिक सेवाओं को देखते हुए जौनपुर गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इस संदर्भ में संस्था के महासचिव तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने आज गोधना जौनपुर स्थित उनके आवास पर उनसे मुलाकात की। इस अवसर पर उनके साथ सामना के वरिष्ठ पत्रकार चंद्रकांत दुबे तथा आध्यात्मिक गुरु आचार्य विनीत तिवारी उपस्थित रहे। शिवपूजन पांडे ने बताया कि महाराष्ट्र के साथ-साथ जौनपुर जनपद में ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा की जा रही निस्वार्थ सामाजिक सेवाओं को देखते हुए संस्था अध्यक्ष डॉ किशोर सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों की सहमति पर, इस वर्ष उन्हें जौनपुर गौरव सम्मान प्रदान करने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक भव्य समारोह का आयोजन कर उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

हिंदू रक्षक छत्रपति संभाजी महाराज उद्यान की बाड़ दीवार का शिलान्यास

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में हिंदू रक्षक छत्रपति संभाजी महाराज के शौर्य, पराक्रम और धर्म रक्षा के कार्य को श्रद्धांजलि स्वरूप बनाए जा रहे हिंदूरक्षक छत्रपति संभाजी महाराज पार्क की बाड़ दीवार का शिलान्यास आज महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक के शुभ हाथों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंत्री सरनाईक ने कहा, मीरा-भायंदर शहर में छत्रपति संभाजी महाराज की स्मृति में एक भव्य पार्क बनाने की नागरिकों और हिंदू संगठनों की ओर से लगातार मांग थी। आज यह मांग वास्तव में पूरी हो रही है। यह पार्क न केवल विश्राम का स्थान होगा, बल्कि इतिहास को याद करने का एक प्रेरक स्थान भी होगा। हिंदूरक्षक छत्रपति संभाजी महाराज पार्क की खासियत यह है कि यह पार्क 13,634 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैला है और इसकी कुल बाड़ 215 मीटर लंबी होगी। इसके साथ ही, हिंदूरक्षक छत्रपति संभाजी महाराज की एक भव्य प्रतिमा और उसके सामने एक फव्वारा भी लगाया जाएगा। इसके साथ ही, हिंदूरक्षक छत्रपति संभाजी महाराज के विजय पराक्रम को दर्शाने वाला एक संग्रहालय भवन भी इस पार्क में देखने को मिलेगा। साथ ही, शिवकालीन किलों की प्रतिकृतियाँ, वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक खेल का मैदान, छात्रों के लिए एक खेल का मैदान और मनोरंजक खेल का मैदान भी इस पार्क में स्थित होगा। मंत्री सरनाईक ने इस पार्क के लिए आवश्यक भूमि जिला कलेक्टर से मीरा-भायंदर महानगरपालिका को हस्तांतरित करने की पहल की। शहर के पार्कों के विकास के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा स्वीकृत 50 करोड़ रुपये के कोष में से 5 करोड़ रुपये इस पार्क के लिए खर्च किए जा चुके हैं। इस कार्यक्रम में मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा, नगरपालिका और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उत्तर मुम्बई में भी बनवाए एक अत्याधुनिक क्रीड़ा संकुल: गोपाल शेट्टी

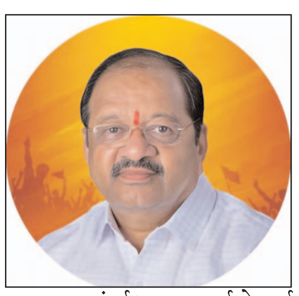

मुंबई। उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी को पत्र लिखकर अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के लिए वार्षिक बजट में प्रावधान कर बीएमसी द्वारा ही स्वयं अपग्रेड करने, उसका संचालन व रखरखाव करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उत्तर मुम्बई में भी एक आधुनिक व सर्व सुविधा से परिपूर्ण खेल संकुल बनवाने की दिशा में भी कदम उठाने की माँग उन्होंने दोहराई है। श्री शेट्टी ने पत्र में लिखा है कि मुम्बई महानगरपालिका द्वारा प्रस्तावित छत्रपति शहाजी राजे क्रीड़ा संकुल- अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के उन्नयन (अपग्रेड) , संचालन, रखरखाव और हस्तांतरण के लिए एक सार्वजनिक-निजी साझेदारी मॉडल पर मैं आपका ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। जब बीएमसी वित्तीय घाटे का सामना कर रही थी, तो कुछ विकासात्मक कार्यों के लिए पीपीपी मॉडल को अपनाना समझ में आता था, पर आज की स्थिति पूरी तरह से अलग है। 59,000 करोड़ रुपये से अधिक के वार्षिक बजट के साथ, मुम्बई महानगरपालिका देश की सबसे बड़ी महानगरपालिका है और वित्तीय रूप से ऐसी परियोजनाओं को सीधे निष्पादित करने में सक्षम भी है। जनसेवक शेट्टी ने आगे लिखा है कि यह भी महत्वपूर्ण है कि मुंबई शहर में वर्तमान में कोई व्यापक, आधुनिक और महानगरपालिका के स्वामित्व वाली खेल सुविधा का स्थल ही नहीं है जो वास्तव में खेल उत्कृष्टता को पोषण दे सके। यह अनुपस्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की राष्ट्रीय खेल नीति 2025 के प्रकाश में, जिसे इस वर्ष जुलाई में मंजूरी दी गई थी, जिसने 2001 की दो दशक पुरानी नीति को बदल दिया है। नई नीति का प्राथमिक लक्ष्य 2036 के ओलंपिक में भारत को मजबूत प्रदर्शन के लिए तैयार करना, 2047 तक भारत को एक वैश्विक खेल महाशक्ति बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि हर नागरिक खेल से जुड़ा हो। जनसेवक गोपाल शेट्टी ने आगे लिखा है कि उत्तर मुंबई को भी एक विश्व स्तरीय खेल परिसर की आवश्यकता है, जिसका नाम भी बाला साहेब ठाकरे के नाम पर हो। उत्तर मुम्बई के युवाओं में पारंपरिक और आधुनिक खेलों, दोनों में ही उत्साह और प्रतिभा समान है। उत्तर मुम्बई में भी खेल संकुल बने और यहां कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, पिकल/पैडल कोर्ट व अन्य खेलों की राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी के लिए संरचित कोचिंग की सुविधाओं को प्राथमिकता मिल सके।

सात दिवसीय पुरोहित प्रशिक्षण शिविर

मुंबई। महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय महासभा (कोंकण विभाग) द्वारा 24 से 30अक्टूबर 2025 तक 7 दिवसीय पुरोहित (पुजारी) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन ग्लोबल स्कूल, मौजा -मेट, मेट पेट्रोल पंप के सामने, कुडूस अंबाड़ी रोड़, तालुका -वाड़ा, जिला-पालघर राज्य महाराष्ट्र पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजक संजय पाटील (प्रदेश अध्यक्ष) एवं जयेश शेलार पाटील (महासचिव)ने बतलाया है कि महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में हर धार्मिक कार्यों हेतु पुरोहितों की आवश्यकता पड़ती है। परन्तु उपलब्धता कम रहती है। इसलिए ग्रामीण युवकों को धार्मिक विधि विधान सीखलाने हेतु पुरोहित (पुजारी) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। भविष्य में इस तरह के शिविर प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किये जायेंगे। इस शिविर में दमोह (म. प्र.)के विद्वान डॉ. रज्जन प्रसाद पटेल (पी एच डी - वैदिक वास्तु विज्ञानं एवं ज्योतिषचार्य) एवं बनारस के डॉ. हेमंत कौशिक (पंचकर्म एवं वैदिक विशेषज्ञ) सात दिनों तक प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। सभी प्रशिक्षुओं के आवास तथा भोजन की निशुल्क व्यवस्था महासभा के कोंकण विभाग के द्वारा की जायेगी। इस समापन कार्यक्रम के लिए पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एल पी पटेल, प्रदेश संरक्षक डॉ बाबूलाल सिंह, टाकेश्वर मठाधिपती योगी फुलनाथ महाराज उपस्थित रहेंगे. इस शिविर में हिस्सा लेने के इच्छुक तथा पुरोहित (पुजारी) बनने के लिये उत्सुक कूर्मि /कुणबी /पटेल नौजवान प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटील (77450-48505) या महासचिव जयेश शेलार पाटील(7620256750) से संपर्क कर सकते हैं।

52 वाँ निवार्ण दिवस मनाया गया, निकाली गई विशाल कलश यात्रा

चिराना। निकटवर्ती गोल्याना में कुमावत समाज शिव गोरां मंदिर ट्रस्ट,गोल्याणा में माँ शिव गोरां का 52 वाँ निर्वाण दिवस बड़े ही श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर तीर्थराज लोहार्गल से शिव गोरां मंदिर गोल्याणा तक भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई।कलश यात्रा के प्रधान कलश यजमान भाजपा जिला मंत्री महेंद्र चन्दवा एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मंजू देवी रहे।उन्होंने लोहारगल कुण्ड से मुख्य चाँदी के कलश की पूजा-अर्चना कर कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा के मंदिर पहुँचने पर ग्रामीणों ने फूल बरसाकर स्वागत किया तथा माता की पूजा-अर्चना की।इस कलश यात्रा में रामपुरा, रघुनाथगढ़,गोल्याणा व आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में बालिकाएं,महिलाओं व श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माँ शिव गोरां का जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस शुभ अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष राष्ट्रीय भामाशाह मूलचन्द करगवाल ने ट्रस्ट के विकास हेतु 11 लाख रुपये देने की घोषणा भी की। कलश यात्रा में सम्मिलित हुई महिलाओं को संबोधित करते हुए महेंद्र चन्दवा ने कहा कि हमें अपनी भावी पीढ़ी को हमारी संस्कृति के संरक्षण हेतु प्रेरित करना चाहिए तथा घर-परिवार में आपसी सहयोग और मिलजुल कर रहने की परंपरा को बनाए रखना चाहिए ताकि परिवार की एकता बनी रहे। इस अवसर पर आयोजित कलश यात्रा, हवन, दिव्य सत्संग,शिव अभिषेक तथा प्रसाद एवं भोजन वितरण में श्रद्धालुओं ने बढ़- चढ़कर भाग लिया तथा पूर्व संध्या पर साध्वी किरण द्वारा भजनों की रसगंगा बहाई गई जो अल सुबह तक चलती रही ।इस दौरान सीकर के शिव भगवान किरोड़ीवाल के परिवार की ओर से राह में पड़ने वाले श्री गणेश मंदिर परिसर में कलश यात्रा का जोरदार स्वागत किया और श्रद्धालुओं को फलाहार के रूप में केला और स्फूर्ति के लिए नींबू पानी पिलाया। समिति के संरक्षक डॉ राजेंद्र कुमावत ने बताया कि इस यात्रा के दौरान हर साल किरोड़ीवाल परिवार द्वारा जल पान की व्यवस्था रहती है और मेले के मौके पर भी पुनीत सेवा की जाती है । इस भव्य आयोजन में मूलचन्द करगवाल (अध्यक्ष, शिव गोरा ट्रस्ट), डॉ. प्रेम सुख (जयपुर वाले), कुमावत छात्रावास के अध्यक्ष चतुर्भुज तूनवाल,प्रगतिशील कुमावत समिति अध्यक्ष प्रकाश प्रजापति, रामस्वरूप सीकर,सुभाष चन्द दम्मीवाल,रमेश खोवाल,श्रवण देवातवाल, सुभाषचंद्र (कोषाध्यक्ष) रामगोपाल तुनवाल,मुकेश खटोड़, विनोद कुमावत,महेश बिदासर , ताराचन्द देवतवाल,मदन किरोड़ीवाल, जितेन्द्र कुमावत सीए सहित काफी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।